सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 324 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 06 सितंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

मिशन वात्सल्यः संविदा पदों की भर्ती, पात्र-अपात्र सूची जारी, 10 सितंबर तक दावा-आपत्ति का मौका

बालोद। जिले में मिशन वात्सल्य योजना अंतर्गत जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड हेल्पलाइन और किशोर न्याय बोर्ड के संचालन के लिए संविदा पदों को लेकर प्रक्रिया एक बार फिर सुर्खियों में है। कुल 16 पदों (जिला बाल संरक्षण इकाई 8 और चाइल्ड हेल्पलाइन 8) पर की जा रही भर्ती में पात्र-अपात्र सूची जारी कर दी गई है। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि आवेदन पत्रों का पुन: परीक्षण कर सूची प्रकाशित की गई है, जिसे विभागीय कार्यालय के सूचना पटल के साथ-साथ जिला बालोद की आधिकारिक वेबसाइट balod.gov.in पर देखा जा सकता है।

अब विभाग ने अभ्यर्थियों को अपनी पात्रता साबित करने का पुन: अवसर दिया है। यदि किसी आवेदक को जारी सूची पर आपत्ति है, तो वह प्रमाण और साक्ष्य संलग्न करते हुए 10 सितंबर 2025 को शाम 5 बजे तक अपनी आपत्ति भेज सकता है। आपत्ति केवल स्पीड पोस्ट, कुरियर या रजिस्टर्ड डाक से ही स्वीकार की जाएगी। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने साफ कहा है कि कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से आवेदन स्वीकार नहीं होंगे और न ही अंतिम तिथि के बाद मिले अभ्यावेदन पर विचार किया जाएगा। इस घोषणा के बाद संविदा पदों के दावेदारों में फिर से हलचल मच गई है। कई अभ्यर्थी दस्तावेज जुटाने में लगे हैं, तो वहीं सूची में नाम न आने से असंतुष्ट उम्मीदवार आपत्ति की तैयारी कर रहे हैं। अब देखना होगा कि 10 सितंबर के बाद पात्र उम्मीदवारों की अंतिम सूची में किसका नाम शामिल होता है।

एलन मस्क बन सकते हैं दुनिया के पहले खरबपति, टेस्ला के नए पे पैकेज से बड़ी संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क जल्द ही दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर (खरबपति) बन सकते हैं। दरअसल, कंपनी के बोर्ड ने एक नया पे पैकेज पेश किया है, जिसके तहत मस्क को करीब 1 ट्रिलियन डॉलर का मुआवजा मिल सकता है। नए वेतन पैकेज में प्रस्ताव दिया गया है कि अगर कंपनी के सभी लक्ष्य पूरे हो जाते हैं, तो मस्क को कंपनी के कुल 12 प्रतिशत शेयर मिलेंगे।

2026 नक्सल मुक्त भारत : बस्तर में CRPF डीजी की बड़ी बैठक, नक्सल प्रभावित अन्य राज्यों के अफसर भी शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के द्वारा मार्च 2026 तक नक्सल मुक्त करने की बात के चलते लालबाग स्थित कोओडिनेशन सेंटर में शनिवार की सुबह सीआरपीएफ डीजी समेत देशभर के नक्सल प्रभावित राज्यों के सीआरपीएफ अधिकारी बस्तर पहुंचे, जहां नक्सल समस्या को लेकर बैठक आयोजित की।

इस महत्वपूर्ण बैठक को देखते हुए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई। इस बैठक के माध्यम से नक्सल पर महत्वपूर्ण चर्चा होने की बात कही जा रही है। बता दें कि जगदलपुर में शनिवार की सुबह बड़ी बैठक शुरू की गई। इस बैठक में सीआरपीएफ डीजी जीपी सिंह की अध्यक्षता में बैठक की जा रही है। इस बैठक में डीजीपी छत्तीसगढ़ एडी गौतम, एडीजी इंटेलीजेंस विवेकानंद सिन्हा सहित सारे वरिष्ठ पुलिस अफसरों की मौजूदगी देखी गई है। इस महत्वपूर्ण बैठक में शामिल होने के लिए देशभर के नक्सल प्रभावित राज्यों के सीआरपीएफ अधिकारी शामिल हुए हैं।

जगदलपुर के लालबाग स्थित पुलिस कोऑर्डिनेशन सेंटर में बैठक हो रही है। बैठक के चलते सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गए हैं। नक्सल मामले के साथ ही ऐसा अंदाजा लगाया जा रहा है कि शायद लगातार नक्सल प्रभावित क्षेत्रो में सीआरपीएफजवानों के अलावा अन्य बटालियन के जवानों के द्वारा आत्महत्या करने की संख्या भी बढ़ती जा रही है, जिसे रोकने या फिर जवानों से चर्चा करने बड़े आला अधिकारियों की टीम जाएगी।

गणेश विसर्जन झांकी 8 को: 800 जवान रहेंगे तैनात, डीजे-पटाखों पर सख्ती, ड्रोन और CCTV से होगी निगरानी

रायपुर। रायपुर में गणेश विसर्जन झांकियां सोमवार आठ सितंबर की रात परंपरागत मार्ग से निकाली जाएंगी। पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को छह सेक्टरों में बांट दिया है, जहां करीब 800 जवान और अधिकारी तैनात रहेंगे। गणेशोत्सव के दौरान डीजे पर रोक लगाई गई थी। विसर्जन झांकी में अब पटाखों का इस्तेमाल भी पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। भीड़भाड़ वाले मार्ग पर सीसीटीवी कैमरों के साथ-साथ ड्रोन से भी निगरानी रखी जाएगी।

विसर्जन के दौरान भारी वाहनों को शहर की सीमा के बाहर रोका जाएगा। झांकियां शारदा चौक, जयस्तंभ चौक, कोतवाली चौक, सदरबाजार, कंकालीपारा और पुरानी बस्ती से गुजरते हुए लाखेनगर होकर रायपुरा महादेव घाट तक जाएंगी। श्रद्धालु इस पूरे मार्ग पर पैदल ही पहुंच पाएंगे। उनके लिए अलग-अलग जगह पार्किंग स्थल तय किए गए हैं।

महादेव घाट में प्रतिमाओं के विसर्जन के बाद झांकियों में शामिल वाहन अमलेश्वर या भाटागांव होकर लौटेंगे। अगले दिन यानी 9 सितंबर को अमलेश्वर की ओर खारून नदी पुल से वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद रहेगी। इस दौरान अमलेश्वर की तरफ से आने वाले वाहन भाटागांव, काठाडीह और दतरेंगा मार्ग से निकल सकेंगे। वहीं, जीई रोड की ओर जाने वाले वाहनों को टाटीबंध तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्ग दिए गए हैं।

झांकियों का प्रवेश व व्यवस्था

रात आठ बजे के बाद झांकी मार्ग पर आने वाले रास्तों को बैरिकेड लगाकर बंद कर दिया जाएगा। झांकियां राठौर चौक से गुरुनानक चौक और एम.जी. रोड होकर शारदा चौक पहुंचेंगी। यहां टोकन प्रणाली लागू की गई है। टोकन लेने के बाद ही झांकियों को जयस्तंभ चौक की ओर बढ़ने दिया जाएगा। तात्यापारा चौक से आने वाली झांकियों को भी एक-एक कर व्यवस्थित तरीके से रूट में प्रवेश कराया जाएगा।

सुरक्षा में कोई ढिलाई नहीं

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सभी छह सेक्टरों में एएसपी स्तर के अधिकारी प्रभारी रहेंगे। उनके अधीन टीआई और एसआई सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालेंगे। भीड़ में सादी वर्दी में पुलिस टीम भी तैनात रहेगी, जो संदिग्ध लोगों की पहचान कर कार्रवाई करेगी। झांकी मार्ग पर प्रतिबंधित सामान मिलने या नशे की हालत में पकड़े जाने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पूर्व प्रांत प्रचारक शांताराम को दी श्रद्धांजलि, पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर किया नमन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित जागृति मंडल, पंडरी पहुँचकर छत्तीसगढ़ के पूर्व प्रांत प्रचारक श्रद्धेय शांताराम को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें नमन भी किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि श्रद्धेय शांताराम संघ के वरिष्ठ प्रचारक थे और उनका मेरे साथ गहरा आत्मीय संबंध रहा है। वे सदैव अभिभावक के समान स्नेह और मार्गदर्शन प्रदान करते रहे। उनका निधन संघ परिवार, समाज और प्रदेश के लिए ही नहीं, बल्कि मेरे लिए भी व्यक्तिगत क्षति है। मुख्यमंत्री श्री साय ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा सभी शुभचिंतकों को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

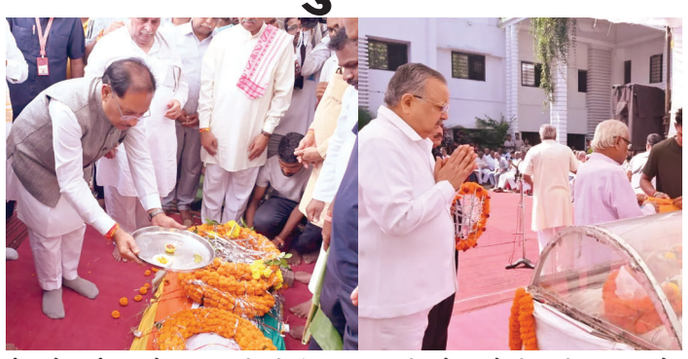

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने श्रद्धेय शांताराम को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे हमारे लिए पिता तुल्य थे। उन्होंने मदकूदीप को पुनर्जीवित कर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया और अपनी विनम्रता तथा जीवन मूल्यों से सभी के आदर्श बने। संघ के वरिष्ठ प्रचारक के रूप में उन्होंने छत्तीसगढ़ की जनता और स्वयंसेवकों को परिवार मानकर निरंतर मार्गदर्शन किया। मुख्यमंत्री रहते हुए भी मुझे उनका स्नेह और आशीर्वाद मिलता रहा। उनके निधन से पूरा प्रदेश शोकाकुल है।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा, गजेंद्र यादव, गुरु खुशवंत साहेब, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस, राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह, राजनांदगांव सांसद संतोष पांडे, विधायक अनुज शर्मा एवं मोतीलाल साहू, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा, बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा, कृषि कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर व बड़ी संख्या में स्वयंसेवक व आमजन उपस्थित थे।

नकली साबुन बेचते दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर के तारवानी सोप इंडस्ट्रीज के प्रोडक्ट बोस्की साबुन की डुप्लीकेट बिक्री का मामला सामने आया है। पश्चिम बंगाल के इस्लामपुर जिले में आरोपी नकली बोस्की साबुन बनाकर बाजार में बेच रहे थे। इसकी सूचना मिलने पर कंपनी के सदस्य स्थानीय डीलर के साथ थाने पहुंचे और लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार, इस्लामपुर जिले में बीते कई दिनों से दोनों आरोपी नकली बोस्की साबुन बनाकर बेच रहे थे। मामले की जानकारी कंपनी स्टाफको होने पर उन्होंने चुकलिया थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। कार्रवाई करते हुए आरोपी अली मूर और हसनैन को गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

लखीमपुर खीरी में लोगों से भरी नाव शारदा नदी में पलटी, पानी के तेज बहाव में बह गए पिता-पुत्री

उत्तरप्रदेश (एजेंसी)। लखीमपुर खीरी जनपद के नकहा क्षेत्र में शनिवार की सुबह करीब 8 बजे 20 ग्रामीणों को नदी के इस पार से उस पार लेकर जा रही नाव अधूरे पुल के पिलर से टकरा गई, जिससे नाव शारदा नदी में पलट गई। नाव पर सवार पिता-पुत्री नदी में बह गए। जबकि अन्य ग्रामीणों को सकुशल निकाल लिया गया है। कुछ लोग तैरकर किनारे पर आ गए।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई साथ ही अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। लापता पिता-पुत्री की तलाश में एनडीआरएफ की टीमें लगाई गई हैं। अपर पुलिस अधीक्षक विवेक तिवारी, एसडीएम अश्वनी सहित अन्य अधिकारियों ने मौके का जायजा लिया। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार यह हादसा शनिवार सुबह करीब आठ बजे हुआ। बताया जा रहा है कि ग्रामीण नाव से शारदा नदी के दूसरे छोर पर जा रहे थे। इसी दौरान नौव्वापुर घाट पर अधूरे पड़े पुल के पिलर से टकराकर नाव नदी में पलट गई। बहाव तेज होने की वजह से ग्रामीण बहने लगे। नाव पलटने और लोगों को बहता देख दूसरी छोर पर खड़े ग्रामीणों ने नदी में छलांग लगा दी और उन्हें रस्सी के सहारे बाहर निकाला। लेकिन पिता-पुत्री को नहीं बचा पाए। दोनों तेज बहाव के कारण पानी में बहते चले गए। उनका पता नहीं चला है। मौके पर पहुंचे एसडीएम सदर अश्वनी कुमार सिंह ने बताया कि एनडीआरएफ की टीम लापता पिता-बेटी की तलाश कर रही है। उधर, हादसे के बाद लापता पिता-पुत्री के परिवार में कोहराम मचा है। बता दें कि शारदा नदी उफान पर बह रही है।

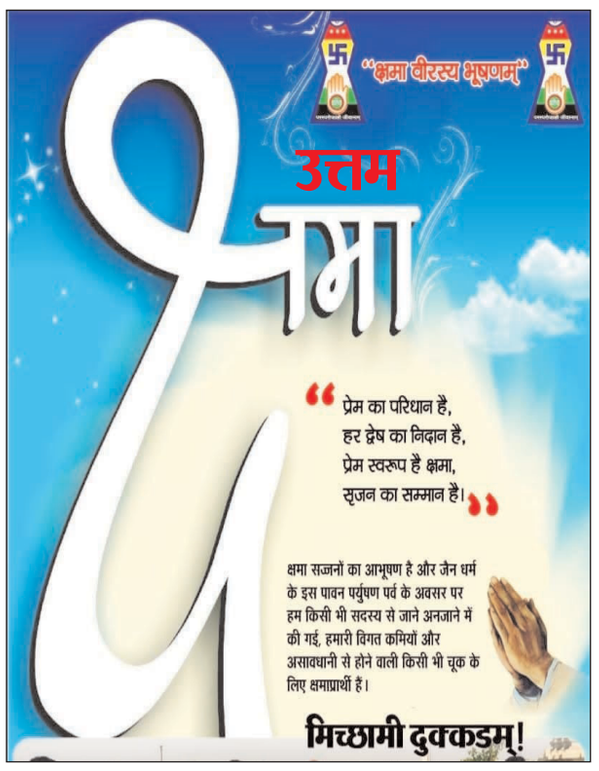

अकूत कमाई और क्वालिफिकेशन में क्राइम

श्रीकंचनपथ

75 साल में यह हालत हो गई है भारतीय लोकतंत्र की। यह एक ऐसा पेशा है जिसमें अकूत कमाई है। इसके लिए केवल उम्र क्राइटेरिया है। वोट मैनेज कर लिया तो जघन्यतम अपराध के आरोप लेकर आप मंत्री बन सकते हैं। तुलसीदास ने रामायण में कहा भी है - "समरथ को नहीं दोष गोसाईं, रवि पावक सुरसरि की नाईं।' इस दोहे का अर्थ है कि योग्य और शक्तिशाली व्यक्ति पर कोई दोष नहीं लगता, ठीक वैसे ही जैसे सूर्य, अग्नि और गंगा नदी। अर्थात जो व्यक्ति सामर्थ्यवान होता है, चाहे वह कैसा भी कार्य करे, उस पर किसी भी प्रकार की उंगली नहीं उठाई जा सकती। फर्क केवल इतना है कि यहां दोष छिपाने के लिए भी लोग सामर्थ्यवान बनते हैं। देशभर के 302 मंत्रियों (करीब 47%) ने आपराधिक केस की बात खुद स्वीकारी है। इनमें 174 मंत्री ऐसे हैं, जिन पर हत्या, अपहरण और महिलाओं के खिलाफअपराध जैसे गंभीर आरोप हैं। केंद्र सरकार के 72 मंत्रियों में से 29 (40%) ऐसे हैं जिन्होंने आपराधिक केस की बात मानी है। चुनाव सुधार संस्था 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' ने 27 राज्यों, 3 केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्र सरकार के कुल 643 मंत्रियों के हलफनामों के विश्लेषण के बाद यह जानकारी दी है। यह हाल सभी पार्टियों का है। भाजपा के 336 मंत्रियों में से 136 पर आपराधिक केस हैं, जिनमें से 88 पर गंभीर आरोप हैं। कांग्रेस के 61 मंत्रियों में से 45 पर केस हैं, 18 पर गंभीर आरोप हैं। डीएमके के 31 में से 27, टीएमसी के 40 में से 13 और टीडीपी के 23 में से 22 के खिलाफ मामले हैं। अनुपात के हिसाब से देखें तो सबसे अच्छी स्थिति टीएमसी की है जबकि सबसे ज्यादा बदनाम वही है। आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, बिहार, ओडिशा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और पुडुचेरी में 60 प्रतिशत से ज्यादा मंत्री आपराधिक मामलों में आरोपी हैं। देश की कुल 512 महिला सांसदों और विधायकों में से 28न यानी 143 पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। इनमें से 78 पर हत्या, किडनैपिंग जैसे गंभीर आरोप हैं। यह स्थिति तब है जब पुलिस नेताओं के मामले में हाथ डालने से कतराती है। यदि सभी मामले दर्ज हो जाएं तो आंकड़े और भी भयावह हो सकते हैं। तो क्या जनता भी यही चाहती है? आखिर इन्हें चुनकर विधानसभा और लोकसभा में भेजने की जिम्मेदारी तो नागरिकों की ही है। क्या प्राथमिकताएं बदल रही हैं? दमदार नेता जब मंत्री हो जाते हैं तो करेले पर नीम चढ़े की कहावत अपने आप चरितार्थ हो जाती है। कोई आश्चर्य नहीं कि देश की सर्वोच्च अदालत की राय भी अब सरकार को पसंद नहीं आती। उनकी तरफसे वकील ऐसे-ऐसे तर्क देते हैं कि न्याय की अवधारणा ही घायल हो जाती है। दरअसल, केंद्र सरकार ने हाल ही में संसद में 130वां संविधान संशोधन विधेयक पेश किया है। उम्मीद करनी चाहिए कि इसके इरादे नेक हों।

संपादकीय

पांच वर्षों में कुछ नहीं बदला

विडंबना है कि अफगानिस्तान ने 15 अगस्त को जब स्वतंत्रता दिवस मनाया, तो गुलाब की पंखुड़ियाँ उन मर्दों पर बरसीं जिन्होंने आधे देश को पिंजरे में कैद कर रखा है। तालिबान का शासन अब दूसरे दौर के पाँचवें साल में दाखिल है। इन पांच वर्षों में कुछ बदला नहीं। वह दुनिया का इकलौता देश है जहाँ सत्ता पूरी तरह मर्दों के हाथ में है और औरतों को न केवल घरों में, पर्दे में जकड़ दिया है बल्कि उन्हें गैर-जरूरी बना दिया है।

इक्कीसवीं सदी में भला कौन सोच सकता था कि पृथ्वी पर एक ऐसा राष्ट्र भी होगा जो आधी आबादी को बंद कर दे, औरतों को अदृश्य बना दे और उनकी अहमियत केवल बच्चों को जन्म देने में सीमित हो। यों दुनिया ने तालिबान को कूटनीतिक अछूत बना रखा है तब तक जब तक वे औरतों के प्रति अपना रवैया नहीं बदलें और अपने सर्व-मर्दाना पश्तून कैबिनेट को समावेशी नहीं बनाए। पर कोई फर्क नहीं पड़ा। अफगान लड़कियों के लिए सेकेंडरी स्कूल के दरवाजे बंद हैं। औरतें एनजीओ में काम नहीं कर सकतीं, पार्कों में नहीं जा सकतीं। स्वतंत्रता दिवस पर जिन छह जगहों पर फूल बरसाए गए, उनमें से तीन पर औरतों की एंट्री मना थी। काबुल में वह इस्लामी पुलिस सख्ती से गश्त करती है जो नजर रखती है कि औरतें नकाब में हैं या नहीं? उनके साथ कोई पुरुष रिश्तेदार है या नहीं? शहर की कुछ बची हुई महिला एक्टिविस्टों में से एक ने साफ कहा: अफगान औरतों की जिंदगी अब अनुमतियों की सीरिज में सिमट चुकी है। हर अनुमति मर्दों के हाथ में है। तालिबान को उनकी इसी हकीकत के लिए सजा भी मिली है। वे प्रतिबंधित है, तिरस्कृत है और दुनिया में मान्यता से वंचित है।

बावजूद इसके दुनिया उनके साथ जीना सीख रही है। आक्रोश की जगह चुपचाप स्वीकार्यता ने ले ली है—मानो अफगानिस्तान की तकदीर अटल हो, और उसकी औरतें बलिदान योग्य। बड़े संकट और जगह हैं, ध्यान वहीं जा रहा है। नतीजा यह है कि वे ही देहाती मुल्ला जिन्हें कभी कलाश्निकोव लहराते जंगली कट्टरपंथी कहा गया, अब सिले-सिलाए पगड़ियों में चतुर कूटनीतिज्ञ बनकर लौटे हैं। उन्होंने दुनिया को अफगानिस्तान बेचा है। उसके खनिज, उसके भूगोल, उसकी स्थिरता की संभावना के सौदे में आधी आबादी को ताले में रखे रखने का पक्का बंदोबस्त हो रहा है। तालिबान को मान्यता मिलने लगी है। 15 अगस्त को पंखुड़ियों की बारिश से एक महीना पहले रूस पहला देश बना जिसने उसे आधिकारिक मान्यता दी। मास्को में इस्लामिक अमीरात ऑफ़ अफगानिस्तान का झंडा फहराया गया। तालिबान ने 20 अगस्त को चीन और पाकिस्तान के साथ त्रिपक्षीय बैठक आयोजित की। 2024 में संयुक्त अरब अमीरात ने तालिबानी राजदूत स्वीकार किया, फिर जनवरी में चीन ने। अब कम से कम 15 देशों के राजदूत काबुल में हैं, अधिकतर क्षेत्रीय। कारोबार भी बढ़ रहा है—चीन, तुर्की और ईरान की कंपनियाँ सौदे कर रही हैं।

और फिर है प्रवासन संकट—जो अब सौदेबाजी का औजार है। समय के साथ हजारों अफगान पड़ोसी और विकसित देशों में अवैध रूप से चले गए थे। 2023 में पाकिस्तान ने न केवल बिना पंजीकरण वाले अफगानों को, बल्कि दस्तावेज रखने वालों को भी निकालना शुरू किया। अमेरिका ने हजारों अफगानों से अस्थायी दर्जा छीन लिया। जर्मनी निर्वासन में तालिबानी राजनयिकों के साथ समन्वय कर रहा है। ताजिकिस्तान ने अफगानों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। और एक राजनयिक के शब्दों में: तालिबान पश्चिम को शरणार्थी संकट का हल मुफ्त में नहीं देगा। भारत भी तालिबान के साथ सावधानी से चल रहा है—संवाद है, पर समर्थन नहीं। नई दिल्ली ने काबुल में तकनीकी मिशन फिर से खोला, खाद्यान्न और दवाएँ भेजीं, अटारी और चाबहार से अफगान व्यापार की अनुमति दी। मई 2025 में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने तालिबान से पहली औपचारिक वार्ता की। मतलब व्यावहारिकता का संकेत। पर भारत अब भी औपचारिक मान्यता नहीं देता, वैश्विक सहमति के साथ खड़ा है और वह अपनी सुरक्षा की पहले चिंता करता हुआ है।

अमेरिका भी—जो कभी तालिबान का सबसे कट्टर विरोधी था—अब चुपचाप चैनल खुले रखे हुए है। कतर में साप्ताहिक बैठकें होती रहती है। आतंकवाद और नशीले पदार्थों को लेकर। हालाँकि राजनीतिक दबाव में वे भी अटक गईं है। पश्चिमी सरकारें भाषा व लहजे में कठोर हैं, पर व्यवहार में संतुलन साधे रहती हैं।

तालिबान का असली विरोधाभास यही है: उनकी ताक़त। 2021 में लगा था कि अर्थव्यवस्था में गिरावट से उनकी पकड़ ढह जाएगी। लेकिन उन्होंने भ्रष्टाचार घटाया, पोस्ता की खेती पर रोक लगाई और पूरे देश पर नियंत्रण मजबूत किया। कोई विश्वसनीय विपक्ष नहीं—न भीतर, न बाहर। तालिबानी अब इतने आश्वस्त हैं कि सुरक्षा बल भी घटाने लगे हैं ताकि पैसे बचें। यह वही आंदोलन है जिसने बीस साल तक दुनिया की सबसे ताकतवर सेना से लड़ा और बचा रहा, और अब उतनी ही आसानी से कूटनीति में भी टिक गया है। यही वह सवाल है जिससे दुनिया आँख चुरा रही है। जब सत्ता इतनी सुरक्षित है, तो क्यों वह औरतों के अधिकार या मानवाधिकारों की परवाह करे? और नारीवादी नारे, वैश्विक घोषणाओं, एनजीओ या अंतरराष्ट्रीय मंचों पर महिला नेता इतनी ताकतवर तो नहीं हैं जो अफगान मर्दों के सामने अपनी माँ-बहनों के लिए खड़ी हो सकें? यों हालात बिगड़ भी सकते हैं। ट्रंप की मानवीय मदद में कटौती, ईरान का शरणार्थियों पर दबाव, सूखे की मार आदि से। लेकिन दुनिया नजरें फेरे हुए है।

धार्मिक से ज्यादा राजनीतिक

आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने स्पष्ट कहा है कि राम मंदिर एकमात्र ऐसा आंदोलन था, जिसका संघ ने समर्थन किया था और अब काशी और मथुरा सहित ऐसे किसी अन्य अभियान का समर्थन नहीं करेगा।

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में अपनी तीन दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला के अंतिम दिन सवालों के जवाब में भागवत ने यह भी स्पष्ट किया कि आरएसएस के स्वयंसेवक ऐसे आंदोलनों में शामिल होने के लिए स्वतंत्र हैं। हिन्दू समाज आग्रह करेगा तो संघ के स्वयंसेवक संस्कृति और समाज के हिसाब से इस प्रकार के किसी अभियान में शिरकत कर सकते हैं। यह व्याख्यान श्रृंखला आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित की गई थी।

देश में रोजगार परिदृश्य, संस्कृत की विषय के रूप में अनिवार्यता, भारत की अखंडता, हिन्दू-मुस्लिम एकता, जाति-वर्ण व्यवस्था, जातिगत आरक्षण, भाषा विवाद, भाजपा अध्यक्ष के चयन में विलंब, एक तय आयु में संन्यास जैसे तमाम मुद्दों पर भी संघ प्रमुख ने अपनी बात कही।

जहां तक काशी-मथुरा में धर्म स्थल का मसला है, तो यह मामला कोई नया नहीं है, लेकिन राम मंदिर आंदोलन के चलते इसे हिन्दुत्ववादियों ने थोड़े समय के लिए विराम दे रखा था। राममंदिर का निर्माण पूरा होते ही वे हरकत में आ गए। न केवल काशी-मथुरा, बल्कि सम्भल में शाही जामा मस्जिद के सव्रे के मुद्दे के साथ ही अन्य अनेक धर्मस्थलों को लेकर मामलों ने भी जोर पकड़ लिया। बीते साल 24 नवम्बर को शाही जामा मस्जिद के सव्रे के दौरान हिंसा भड़क उठी थी।

हिंसा मामले की जांच के लिए बने आयोग ने अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंपी है। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट में बताया गया है कि कैसे दंगों के बाद तुष्टीकरण की राजनीति के चलते बड़े पैमाने पर आबादी में बदलाव, धर्म परिवर्तन और समुदाय विशेष के परिवारों का पलायन हुआ।

बेशक, संघ प्रमुख पहले भी कह बार स्पष्ट कर चुके हैं कि हर जगह मंदिर नहीं ढूंढ़ा जाना चाहिए। लेकिन लगता नहीं कि धर्मस्थलों में मंदिर ढूंढे जाने की कवायद थम पाएगी। दरअसल, यह मसला बहुत पहले से धार्मिक से ज्यादा राजनीतिक हो चुका है। मंदिर-मस्जिद-चर्च जैसे धर्मस्थलों के मुद्दे गरमाने लगते हैं, तो अलग माहौल बना देते हैं, जिसके बल पर पक्ष-विपक्ष को अपनी राजनीति को धार देने में सहूलियत होती है। इसलिए ऐसे मुद्दे गरमाए रहने हैं।

नई मैडम,नया सर : युक्ति युक्तकरण से स्कूलों में पढ़ाई हुई बेहतर

दूरस्थ गाँव में शिक्षकों को भी मिलने लगा है सम्मान के साथ पहचान

कमलज्योति

वक्त का पहिया बहुत तेजी से आगे बढ़ गया है...गाँव का वह तालाब, तालाब के किनारे का पेड़, पेड़ पर घोंसला, गांव के गौटियां के घर के पास का कुआं, कीचड़ वाले रास्ते, खपरैल वाले घर और उन घरों से ही दूर-दूर तक नजर आती खेत...खेत के मेढ़ से बस्ता टांगकर दूर तक स्कूल का सफर सहित आसपास के नजारे अब भले ही बदलाव के दौर में बदल गये हैं.... इन्हीं बदलाव में गाँव का वह स्कूल भी अब पहले जैसा नहीं रहा...भले ही कई स्कूल जहाँ संचालित थे, वहीं है लेकिन उन स्कूलों की दीवारें बदल गई है। छते बदल गई है, विद्यार्थी, शिक्षक भी बदल गए हैं..किताबें बदल गई है, ड्रेस बदल गया है...लेकिन कक्षा के भीतर मास्टरजी की सीख, बच्चों के शोर, शाला लगने और शाला से घर जाने सुनाई देने वाली घंटी की आवाजें, प्रार्थना, कतार...सबकुछ वैसा का वैसा ही तो है..। नई पहचान के साथ अब शहर से लेकर दूरस्थ गाँव तक के हर विद्यालय में क, ख, ग और ए, बी सी,डी की शोर सुनाई देती है, लेकिन यह शोर वह शोर नहीं.. जिन्हें सुनकर कान बन्द करने की नौबत आन पड़े...यह तो वह शोर है...जिसमे आने वाले भविष्य का कल छिपा है...इसे सुनकर पूरा गाँव निश्चिंत है..और खुश भी है कि उनके गांव के विद्यालय में मास्टरजी आ गये हैं। यह खुशी विद्यालयों में पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों में भी है कि उन्हें नई मैडम और नया सर मिल गया है। स्कूल आने-जाने का समय हो या फिर घर में अपने भाई-बहन, माता-पिता के बीच गुजरने वाला वक्त, स्कूल की नई मैडम और नये सर का जिक्र सबकी जुबां पर है। गांव के स्कूलों में पदस्थ होने के साथ ही शिक्षकों का भी मान सम्मान बढ़ने लगा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के दिशा निर्देशन में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश भर में अपनाई गई युक्तियुक्त करण की प्रक्रिया से शहर से लेकर दूरस्थ गांव तक के सरकारी विद्यालयों मे पढ़ाई करने वाले गरीब विद्यार्थियों के भाग खोल दिये हैं। अतिशेष शिक्षकों के समायोजन से उन हजारों विद्यालयों को शिक्षक मिल गया है, जहां वर्षों से शिक्षक की कमी थी। प्रदेश के लगभग 6 हजार एकल शिक्षकीय विद्यालय में अतिशेष शिक्षको का समायोजन किया गया है, जिससे 4 हजार 721 विद्यालय लाभान्वित हुए है। वही युक्ति युक्तकरण से पूर्व प्रदेश भर में 453 शिक्षकविहीन विद्यालय थे। इन विद्यालयों में से 446 विद्यालयों में अतिशेष शिक्षको की पदस्थापना कर राज्य शासन ने शिक्षक की कमी से वंचित विद्यार्थियों के भविष्य को गढ़ने के साथ ही शिक्षको की गारंटी और पढ़ाई के साथ बच्चों की भविष्य भी सुनिश्चित कर दी है। कोरबा जिले में 500 से अधिक शिक्षकों को शिक्षकविहीन, एकलशिक्षकीय-द्विशिक्षकीय विद्यालयों में पदस्थ किया गया है। हाइ और हायर सेकंडरी विद्यालय के अतिशेष व्याख्याताओं को उन विद्यालयों में पदस्थ किया गया है, जहाँ गणित, रसायन, भौतिकी, हिंदी, अंग्रेजी, कामर्स विषयों के शिक्षकों की कमी थी। इससे पाठ्यक्रम भी समय पर पूरा होगा।

विद्यालयों में शिक्षक की पदस्थापना से विद्यार्थी भी खुश है। शहर से लगभग सौ किलोमीटर दूर घने जंगलों के बीच पंडोपारा में रहने वाले पंडो समाज गाँव में स्कूल में बनी शिक्षको की कमी से चिंतित थे, क्योंकि उनके बच्चे पाठशाला तो नियमित जाते थे, लेकिन विद्यालय में एकमात्र शिक्षक होने का खमियाजा भी बच्चों को भुगतना पड़ता था। आखिरकार जब मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशन में ऐसे शिक्षकविहीन और एकल शिक्षकीय विद्यालयों की सुध ली गई तो युक्ति युक्तकरण जैसी व्यवस्था ने घने जंगलों में बसे पंडो जनजाति के बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने की राह आसान कर दी। पंडोपारा के ग्रामीण मंगल सिंह पंडो ने बताया कि गाँव में स्कूल में दो शिक्षक होने से क्लास में सभी बच्चों की पढ़ाई तो होगी ही, अब कोई खाली नहीं बैठेगा। इसी विद्यालय में कक्षा चौथी के छात्र जगदेश्वर पंडो, तीसरी कक्षा के राजेन्द्र और दूसरी के मुकेश पंडो को भी खुशी है कि उनके स्कूल में नए गुरुजी पढ़ाने आ रहे हैं।

कोरबा ब्लॉक के सुदूरवर्ती ग्राम सांचरबहार ग्राम पंचायत नकिया का आश्रित ग्राम है। इस विद्यालय में वर्षों से नियमित शिक्षक पदस्थ नहीं था। स्कूल खुलने के साथ ही गाँव के लोगों की आस थी कि उनके बच्चे भी सही ढंग से पढ़ाई कर पाएंगे, दुर्भाग्यवश उनकी आस अधूरी ही थी, क्योंकि नियमित शिक्षक नहीं होने का खामियाजा विद्यार्थियों को भुगतना पड़ता था। गाँव में रहने वाली वृद्धा मैसो बाई खुश है कि स्कूल को नियमित शिक्षक मिल गया है अब उनका नाती-नतिनी ठीक से पढ़ाई कर पाएंगे। उन्होंने बताया कि रिया और आशीष विद्यालय जाते हैं। गाँव की महिला राजकुमारी बाई ने बताया कि उनका बेटा प्रमेन्द्र स्कूल जाता है। पहले आसपास के विद्यालयों से किसी शिक्षक को स्कूल भेजकर काम चलाया जाता था। अब नियमित शिक्षक आ जाने से हम सभी खुश है कि हमारे गाँव के स्कूल और बच्चों की नई पहचान बनेगी और उनकी पढ़ाई भी आसान होगी। युक्ति युक्तकरण से इस विद्यालय में नियुक्त सहायक शिक्षक श्री शेखरजीत टंडन ने बताया कि युक्ति युक्तकरण के काउंसिलिंग विद्यालय में अभी 11 बच्चे दर्ज है और उन्हें खुशी है कि सुदूरवर्ती गाँव सांचरबहार के विद्यार्थियों का भविष्य गढ़ने का उन्हें अवसर मिला।

करतला ब्लॉक के वनांचल क्षेत्र में स्थित छोटे से गांव तिलईडबरा में भी शिक्षा की तस्वीर अब बदलने लगी है। वर्षों से शिक्षक की कमी से जूझते शासकीय प्राथमिक शाला में अब युक्तियुक्तकरण के तहत नियमित शिक्षिका श्रीमती संगीता कंवर की पदस्थापना की गई है, जिससे गांव में शिक्षा की नई रोशनी पहुंची है। शिक्षिका संगीता कंवर ने विद्यालय में पदभार ग्रहण करने के साथ ही बच्चों को पढ़ाना प्रारंभ किया। आज वे नियमित रूप से कक्षाएं ले रही हैं और बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ नैतिक मूल्यों की भी शिक्षा दे रही है। शिक्षिका की उपस्थिति से बच्चों का मन भी पढ़ाई में मन जम रहा और वे भी अध्ययन में रुचि ले रहे।

पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड के वनांचल क्षेत्र मांचाडोली स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में जीव विज्ञान विषय की शिक्षिका श्रीमती राजमणि टोप्पो की पदस्थापना की गई है। विद्यालय में लंबे समय से जीव विज्ञान जैसे महत्वपूर्ण विषय की विशेषज्ञ शिक्षक की कमी महसूस की जा रही थी। 12वीं जीव विज्ञान के छात्र दीक्षांत दास मानिकपुरी ने कहा नई मैडम के आने से जीव विज्ञान विषय आसान हो गया है। पहले हम कोशिका, डीएनए, आरएनए, हार्मोन जैसे शब्दों के अर्थ को समझने में उलझे रहते थे। अब शरीर की बनावट, शारीरिक अंगों के क्रियाकलाप को बेहतर समझ पा रहे है। पादप, जंतु और सूक्ष्म जीवों के सरंचनाओं की समझ बढ़ी है। अब हम उन्हें समझने की कोशिश करते हैं। विषय विशेषज्ञ शिक्षिका के आने से कक्षा की सोच बदल गई है। अब हम सभी डॉक्टर, वैज्ञानिक बनने के लिए प्रोत्साहित हो रहे हैं।

इसी क्रम में ग्राम पचरा में संचालित हाई स्कूल में भी शिक्षको की कमी बनी हुई थी। विद्यालय में कक्षा नवमीं में 48 और कक्षा 10वीं में 25 विद्यार्थी है। विद्यालय में अध्ययन करने वाली छात्राओं विद्या, मानमती, सुहानी यादव ने बताया कि गांव के विद्यार्थियों को गणित, अंग्रेजी विषय थोड़ा कठिन लगता है, गणित के शिक्षक पहले से हैं, अब हमारे स्कूल में अंग्रेजी के सर आ गए हैं। स्कूल में बहुत दूर-दूर के गाँव से लड़के-लड़कियां पढ़ाई करने आती है। सभी विषयों की पढ़ाई होने से हम लोग का मन भी स्कूल आने में होता है। यहां अंग्रेजी विषय में युक्तियुक्तकरण से गोपाल प्रसाद भारद्वाज पदस्थ हुए हैं। इसी तरह कोरबा ब्लॉक के चचिया में हायर सेकेण्डरी स्कूल में गणित और करतला के ग्राम केरवाद्वारी में भौतिक विषय की शिक्षिका पदस्थ हुई है। विद्यार्थियों को कठिन सा विषय लगने वाले गणित, भौतिक, अंग्रेजी सहित अन्य विषयों के व्याख्याता मिल जाने से विद्यार्थी बहुत खुश है।

शिक्षक भी निभा रहे महत्वपूर्ण भूमिका

जिले में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर कलेक्टर अजीत वसन्त द्वारा डीएमएफ से मानदेय शिक्षको की नियुक्ति अनेक विद्यालयों में की गई है। जिले के प्राइमरी स्कूल में 243,मिडिल स्कूल में 109 और हायर सेकंडरी स्कूल में 120 शिक्षको को मानदेय पर रखा गया है। ये शिक्षक विद्यार्थियों को पढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं। इन्हें विद्यालयों में शिक्षकों की कमी वाले स्कूलों में पदस्थ किया गया है। इसके अतिरिक्त संविदा से नियुक्त शिक्षक भी अध्यापन करा रहे हैं।

स्कूल भवनों सहित अन्य सुविधाओं पर भी दिया जा रहा है ध्यान

जिले के जर्जर विद्यालयों को मरम्मत के साथ ही आवश्यकता वाले स्थानों पर नवीन विद्यालय भवन, किचन शेड, टॉयलेट, बाउंड्रीवाल, साइकिल स्टैंड, न्यूज पेपर स्टैंड सहित अन्य सुविधाओं के लिए कलेक्टर अजीत वसंत द्वारा खनिज संस्थान न्यास मद से स्वीकृति प्रदान की गई है। स्कूलों में भृत्य के रिक्त पदों पर मानदेय में 310 युवाओं को रोजगार प्रदान किया गया है। खास बात यह भी है कि जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति परिवार से संबंधित युवाओं को उनकी योग्यता के आधार पर शिक्षक और चतुर्थ श्रेणी के पदों पर नियुक्त किया गया है। स्कूली विद्यार्थियों के लिए नाश्ते का वितरण और प्रतिभावान विद्यार्थियों को नीट, जेईई सहित अन्य में प्रवेश के लिए नि:शुल्क कोचिंग की व्यवस्था ने जिले में शैक्षणिक माहौल कायम किया है।

जीवन जीने की कला सिखाते हैं शिक्षक

योगेश कुमार गोयल

भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं द्वितीय राष्ट्रपति डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के अवसर पर भारत में प्रतिवर्ष 5 सितम्बर को शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रकट करने के उद्देश्य से शिक्षक दिवस मनाया जाता है।

विश्वभर में लगभग सभी महापुरूषों ने शिक्षकों को राष्ट्र निर्माता की संज्ञा दी है। गुरू रूपी इन्हीं शिक्षकों को सम्मान देने के लिए प्रतिवर्ष 5 सितम्बर को 'शिक्षक दिवस' मनाया जाता है। यह एकमात्र ऐसा दिन है, जब छात्र अपने शिक्षकों अर्थात् गुरुओं को उपहार देते हैं। पहले जहां गुरूकुल परम्परा हुआ करती थी और उस समय जीवन की व्यावहारिक शिक्षाएं इन्हीं गुरूकुल में गुरु दिया करते थे, आज नए जमाने में गुरूओं का वही अहम कार्य शिक्षक पूरा कर रहे हैं, जो छात्रों के सच्चे मार्गदर्शक बनकर उन्हें स्कूल से लेकर कॉलेज तक वह शिक्षा देते हैं, जो उन्हें जीवन में बुलंदियों तक पहुंचाने में सहायक बनती है। आज भले ही शिक्षा प्राप्त करने या ज्ञानोपार्जन के लिए अनेक तकनीकी साधन सुलभ हैं किन्तु एक अच्छे शिक्षक की कमी कोई पूरी नहीं कर सकता। जिस प्रकार एक अच्छा शिल्पकार किसी भी पत्थर को तराशकर उसे खूबसूरत रूप दे सकता है और एक कुम्हार गीली मिट्टी को सही आकार प्रदान कर सही आकार के खूबसूरत बर्तन बनाता है, समाज में वही भूमिका एक शिक्षक अदा करता है, इसीलिए शिक्षक को समाज के असली शिल्पकार का भी दर्जा दिया जाता है। इतिहास ऐसे शिक्षकों के उदाहरणों से भरा पड़ा है, जिन्होंने अपनी शिक्षा से अनेक लोगों के जीवन की दिशा ही बदल दी।

भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं द्वितीय राष्ट्रपति डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के अवसर पर भारत में प्रतिवर्ष 5 सितम्बर को शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रकट करने के उद्देश्य से शिक्षक दिवस मनाया जाता है। 13 मई 1962 को राधाकृष्णन देश के राष्ट्रपति बने और उसी वर्ष उनके कुछ छात्र उनका जन्मदिन मनाने के उद्देश्य से उनके पास गए तो उन्होंने उन छात्रों को परामर्श दिया कि उनके जन्मदिन को अध्यापन के प्रति उनके समर्पण के लिए 'शिक्षक दिवस' के रूप में मनाया जाए और इस प्रकार 5 सितम्बर 1962 से ही देश में यह दिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। 5 सितम्बर 1888 को एक निर्धन ब्राह्मण परिवार में जन्मे डा. राधाकृष्णन ने अपने जीवनकाल के 40 वर्ष एक आदर्श शिक्षक के रूप में समर्पित कर दिए। मद्रास प्रेसीडेंसी कॉलेज से शिक्षा ग्रहण करने के बाद उन्होंने मैसूर यूनिवर्सिटी, कलकत्ता यूनिवर्सिटी तथा बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में अध्यापन किया और लंदन में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में भी दर्शन शास्त्र पढ़ाया। 1931 में किंग जॉर्ज पंचम ने उन्हें नाइटहुड की उपाधि प्रदान की किन्तु उन्होंने देश की आजादी के बाद अपने नाम के साथ 'सर' लगाना बंद कर दिया। राधाकृष्णन 1947 से 1949 तक संविधान निर्मात्री सभा के सदस्य रहे और 1954 में उन्हें 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। 1962 में ब्रिटिश अकादमी का सदस्य बनने पर उन्हें गोल्डन स्पर, इंग्लैंड के 'ऑर्डर ऑफ मैरिट' तथा 1975 में मरणोपरांत अमेरिकी सरकार द्वारा 'टेम्पलटन पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। डा. राधाकृष्णन एक महान् दार्शनिक और आदर्श शिक्षक होने के साथ-साथ राजनीति में भी प्रवीण थे।

दर्शन शास्त्र जैसे गंभीर विषय को भी डा. राधाकृष्णन अपनी अद्भुत शैली से बेहद सरल और रोचक बना देते थे। जिस विषय का वे अध्यापन करते थे, पहले स्वयं उसका गहन अध्ययन करते थे। डा. राधाकृष्णन अपने व्याख्यानों के साथ-साथ विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से छात्रों को उच्च नैतिक मूल्यों को अपने आचरण में समाहित करने के लिए प्रेरित कर उनका बेहतर मार्गदर्शन भी करते थे। उनका कहना था कि हमें अपने शिक्षकों का सम्मान करना चाहिए क्योंकि शिक्षक के बिना इस दुनिया में हम सभी अधूरे हैं। शिक्षक ही हैं, जो देश के भविष्य के वास्तविक आकृतिकार हैं और हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं। राधाकृष्णन का कहना था कि हमें मानवता को उन नैतिक जड़ों तक वापस ले जाना चाहिए, जहां से अनुशासन और स्वतंत्रता दोनों का उद्गम हो। उनका कथन स्पष्ट था कि जब तक शिक्षक शिक्षा के प्रति समर्पित और प्रतिबद्ध नहीं होगा और शिक्षा को एक मिशन के रूप में नहीं अपनाएगा, तब तक अच्छी और उद्देश्यपूर्ण शिक्षा की कल्पना नहीं की जा सकती।

आज हम हर बच्चे को महंगी उत्कृष्ट आधुनिक शिक्षा के जरिये टॉपर बनाकर बड़ा डॉक्टर, इंजीनियर या प्रशासनिक अधिकारी बनाने का सपना संजोये रहते हैं और भूलते जा रहे हैं कि उसे जीवन की बुलंदियों पर पहुंचाने के साथ-साथ एक अच्छा इंसान बनाना भी बेहद जरूरी है और इसके लिए हर बच्चे को नैतिक, भौतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक शिक्षा दिए जाने की भी आवश्यकता है ताकि बच्चे अपने विवेक से बुद्धिमत्तापूर्ण निर्णय लेने और समाज को सही दिशा देने में सक्षम बनें। डा. राधाकृष्णन का मानना था कि यदि सही तरीके से शिक्षा प्रदान की जाए तो समाज की अनेक बुराईयों का समूल नाश किया जा सकता है। एक सभ्य, सुसंस्कारित, सुन्दर एवं शांतिपूर्ण समाज के निर्माण के लिए शिक्षक दिवस के अवसर पर डा. राधाकृष्णन के आदर्शों, उनकी शिक्षाओं तथा जीवन मूल्यों को जीवन में आत्मसात करने की आवश्यकता है।

भारत नियति के द्वार पर खड़ा

श्रुति व्यास

लंदन के द इकॉनोमिस्ट ने ठिक लिखा कि यदि अमेरिका भारत को अलग-थलग करता है, तो यह उसकी ऐतिहासिक भूल होगी। जबकि भारत के लिए अपनी सुपरपावर बनने की दावेदारी को परखने का यह मौका है। पहली नजर में वाक्य सुकून देता है-जैसे अमेरिका गलती करेगा अगर डगमगाया, और भारत नियति के द्वार पर खड़ा है। पर ध्यान से सुनें तो यह तारीफ नहीं, टालमटोल है। सुपरपावर-इन-वेटिंग यानी अभी नहीं। याकि महज नारे जिनमें जान नहीं, प्रदर्शन जिसमें ताकत नहीं। एंकर की तरह तीन शब्द हमें बाँध देते हैं। एक ऐसा राष्ट्र जो अपने ही भविष्य की कतार में फँसा है, हिचकिचाहट में अटका है। इतिहास में दर्ज होता है, ताकत के रूप में नहीं, बल्कि फुटनोट की तरह इन वेटिंग।

यह नहीं कि भारत कभी इंतजार में नहीं रहा। मोटामोटी हर प्रधानमंत्री ने ताकत और फुटनोट की खाई को पाटने की कोशिश अपने-अपने ढंग से की है-अपूर्ण रूप से, लेकिन एक निशान छोड़ते हुए। बस आज वह इन-वेटिंग इतना जाहिर, स्पष्ट, इतना चौड़ा हो गया है कि आकांक्षा और आस्था के बीच की दूरी लगभग असंभव लगती है। आजादी के समय नेहरू ने नियति से साक्षात्कार की बात की थी-एक उपनिवेश से आगे बढ़ने का साहस। इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश के निर्माण से लेकर पोखरण तक भारत की ताकत दिखाई। नरसिंहाराव ने 1991 में बंद अर्थव्यवस्था की दीवार तोड़ी और उदारीकरण की नींव रखी। मनमोहन सिंह ने शांति से न्यूक्लियर डील, स्थिर विकास और वैश्विक बाजार में भारत की स्थिति को मजबूत किया। हर दौर अपूर्ण था, पर आकांक्षा जीवित थी। यह भावना केवल सत्ता गलियारों में नहीं, बल्कि भारत के मध्यमवर्ग की कल्पना में भी थी।

फिर आए नरेंद्र मोदी, जिन्होंने आकांक्षा को तमाशे और नारों में लपेट दिया। मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, अमृत काल-नियति की भाषा को नए जमाने के लिए पैक किया। कुछ समय के लिए लगा कि अब इन वेटिंग खत्म होगा, भारत महाशक्तियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा होगा। यह स्वप्न स्वर्णिम लगा। पर सपनों का रंग नहीं होता और न कोई विचारधारा। वे या तो साहसी होते हैं या हिचकिचाए हुए। रूस सोवियत अतीत को पुनर्जीवित करना चाहता है। चीन अपने ही साये से बड़ा होना चाहता है। उनकी आकांक्षा कठोर है, बलिदान से तराशी हुई। भारत की आकांक्षा भावुक है, नारों में ढह जाती है। हम खुद को यह कहकर सांत्वना देते हैं कि हमारी चढ़ाई लोकतांत्रिक होगी, इसलिए श्रेष्ठ होगी। पर बिना त्याग और साहस के, सपने रेटरिक में बदल जाते हैं। पर आज का भारत क्या सपने देखना छोड़ नहीं चुका है?

अपने चारों ओर देखिए। आपका घर, गाड़ी, सड़क, दफ्तर की मेज, टिफिन का खाना, बैंक का मैसेज-यही है हमारी जिंदगी की लय। सुरक्षित, स्थिर, पूर्वानुमेय। यह आरामदायक है, लेकिन आकांक्षाएँ अब सुपरपावर बनने की ऊँचाई पर नहीं, बल्कि मध्यमवर्गीय सुरक्षा की छत पर अटकी हैं - नौकरी, ईएमआई, सालाना छुट्टी। 21वीं सदी में भी हम जीने को महत्वाकांक्षा समझते हैं, स्थिरता को नियति। इसी चुप्पी में छिपा है वह सच, कि भारत अब भी सुपरपावर इन वेटिंग है। नई सदी ने ताकत का नक्शा बदल दिया है। अब शक्ति का स्रोत न साम्राज्य है, न कच्चा माल, बल्कि मनुष्य की क्षमताएँ और उन्हें संभालने वाला ढाँचा। राष्ट्र नारों से नहीं, बल्कि इस बात से उठते हैं कि वे शिक्षा, स्वास्थ्य, शोध और सड़कों में कितना निवेश करते हैं। प्रतियोगिता अब भूगोल की नहीं, प्रतिभा की है।

इन वेटिंग की कहानी सिर्फ नीतिगत कागजों या जीडीपी आँकड़ों में नहीं, बल्कि जमीनी शहरों में दिखती है-और मुंबई से स्पष्ट कोई दूसरा शहर नहीं है। मगर यहाँ महत्वाकांक्षा और असमानता भयावह आमने-सामने खड़ी हैं। 1970-80 के दशक में यह शहर हाजी मस्तान, करीम लाला, वरदराजन मुदलियार जैसे अंडरवर्ल्ड डॉनों का था। बाद में दाऊद ने अपराध में वैश्विक हल्लाबनाया। आज दौर बदला है। अब अंबानी और अदानी की तूती हैं। और इन्हें मोदी राज में राष्ट्रवाद की भाषा में आत्मनिर्भर भारत के महानायक कहा जा रहा है। जो उद्यमशीलता पहले गली-मोहल्ले से फलती-बढ़ती थी, वह अब राज्य की चुप्पी और नीति की कृपा से प्रतिमान बन रहे हैं। पर जिस राष्ट्र में अरबपति मसीहा बनते हैं, वह धन को महत्ता से और इसी के गरूर में गलतफहमी में फंसता है। व्यापारी घरानों से औद्योगिकीकरण और उससे रोजगार व वास्तविक आर्थिक शक्ति नहीं बनती। फिर शिक्षा खोखली और टूटी हुई है, बुनियादी ढाँचा कमज़ोर है। और जब संकट आता है तो सुधारों की जगह हिंदू राष्ट्रवाद की डुगडुगी बनती हैं। या सरकार नया आख्यान गढ़ती है। जैसे ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ से बाजार हिला, तो ईवाई की रिपोर्ट आई। जबरदस्ती बेवक्त का हल्ला कि 2038 तक भारत दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है।

ITR फाईल बनवाएं मात्र 500/-
GST रजिस्ट्रेशन | TDS रिफंड
CMA DATA | BALANCE SHEET
MSME रजिस्ट्रेशन | फूड लाइसेंस
प्रोजेक्ट रिपोर्ट | TAX AUDIT
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
(व्हाट्सएप्प पर भी बनवाएं)
संपर्क - शेखर गुप्ता 9300755544, 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

गणेश विसर्जन को लेकर अधिकारियों को जिम्मेदारी

दुर्ग। गणेश विसर्जन को लेकर व्यापक व्यवस्था की जा रही है इसके लिए आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम को नोडल अधिकारी बताया गया है। अधिकारियों ने बताया कि 6 व 7 सितंबर 2025 को गणेश विसर्जन के लिए शिवनाथ नदी, कसारीडीह तालाब, वार्ड 56, 57 तालाब में निर्मित विसर्जन कुंड में विसर्जन कराए जाने प्रकाश व्यवस्था, मूर्ति विसर्जन के लिए क्रेन की व्यवस्था की जा रही है। शिवनाथ नदी वार्ड क. 55 पुलगांव शिवनाथ नदी गुरुद्वारा के पास मूर्ति विसर्जन हेतु पहुंच मार्ग, समतलीकरण, अस्थाई कुण्ड निर्माण, वॉटर प्रूफ शामियाना, अनाउसमेंट हेतु साउंड सिस्टम की व्यवस्था एवं कुर्सी, टेबल की व्यवस्था सहित विद्युत व्यवस्था का दायित्व अधिकारियों को सौंपा गया है। इसके अलावा स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेन्द्र मिश्रा सहित टीम को शहर के सम्पूर्ण क्षेत्रो में विशेष साफ-सफाई व्यवस्था के लिए जिम्मेदारी दी गई। शहर के भीतरी इलाकों में घूमने वाले आवारा पशुओं को पकडने तथा विसर्जन के दौरान विशेष रूप से यातायात सुविधा की दृष्टि से आवारा पशुओं को पकडने आदि का दायित्व सौंपा गया है।

भोथली भुजारी में ट्रैकिंग के साथ यूथ हॉस्टल सदस्यों ने ग्रामीणों को दिए उपहार

भिलाई। यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफइण्डिया दुर्ग-भिलाई और राजनांदगांव इकाई के संयुक्त तत्वावधान में खैरागढ़ जिला मुख्यालय से 20 किमी दूर भोथली भुजारी में एक दिवसीय ट्रैकिंग सह ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। आयोजन में दुर्ग-भिलाई, राजनांदगाँव, रायपुर और खैरागढ़ से कुल 90 सदस्यों की सहभागिता रही। दुर्ग-भिलाई इकाई के प्रेसिडेंट ऋषि कांत तिवारी एवं सचिव सुबोध देवांगन ने बताया कि सभी लोग आधार शिविर भुजारी से सदस्य लगभग दो किमी ऊबड़-खाबड़ अनगढ़ पथरीला रास्ता तय कर भोथली भुजारी वाटरफॉल पहुँचे। इस अवसर पर भुजारी गांव के स्कूली बच्चों को कॉपी पुस्तक, स्टेशनरी, पेन, खिलौने, चॉकलेट और जूस इत्यादि का वितरण किया गया। बच्चों सहित सभी आयु वर्ग के ग्रामीणों को कपड़े भी दिये गये। इस अवसर पर शान्ति अभिवादन के लिए शान्ति मार्च भी किया गया। वापसी में सदस्यों ने छिंदारी बाँध के प्राकृतिक सौंदर्य का भी आनंद उठाया। यह आयोजन यूथ हॉस्टल्स के वरिष्ठ सदस्य राजेश मिश्रा और मिनेश मिश्रा के कुशल संयोजन में सम्पन्न हुआ।

बीएसपी शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन, शिक्षक सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के शिक्षा विभाग द्वारा भारत रत्न, महान शिक्षाविद एवं दार्शनिक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर 5 सितंबर 2025 को शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन भिलाई निवास के बहुउद्देशीय सभागार में भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र के मुख्य आतिथ्य में किया गया।

इस अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक ए के चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) प्रवीण निगम, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन)पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक (खदान) बिपिन कुमार गिरी, कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) राकेश कुमार, कार्यपालक निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ रवींद्रनाथ एम, कार्यकारी कार्यपालक निदेशक (रावघाट) अरुण कुमार एवं मुख्य महाप्रबंधक (नगर प्रशासन एवं सी.एस.आर.) उत्पल दत्ता उपस्थित रहे। समारोह में विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक, वरिष्ठ अधिकारी, ऑफिसर्स एसोसिएशन, यूनियन, एस.सी./एस.टी. एसोसिएशन के पदाधिकारी तथा बीएसपी विद्यालयों शिक्षिक-शिक्षिकाएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन तथा मां सरस्वती एवं डॉ. राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पण के साथ हुआ। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने सरस्वती वंदना की प्रस्तुती दी। तत्पश्चात स्वागत गान एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर अतिथियों का अभिनंदन किया गया।

मुख्य अतिथि चित्त रंजन महापात्र ने अपने उद्बोधन में शिक्षकों की कर्तव्यनिष्ठा, धैर्य एवं विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह गर्व का विषय है कि भिलाई इस्पात संयंत्र ने जहाँ इस्पात निर्माण के क्षेत्र में विशिष्ट प्रतिष्ठा अर्जित की है, वहीं शिक्षा के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि भिलाई के विद्यार्थी आज विश्व के कोने-कोने में अपनी प्रतिभा से गौरव बढ़ा रहे हैं। शिक्षकों की कर्तव्यपरायणता और धैर्य ही विद्यार्थियों को जीवन में ऊँचाइयों तक पहुँचाते हैं। उन्होंने शिक्षकों को भावी नागरिकों का निर्माता बताते हुए कहा कि उनके योगदान से ही एक सशक्त और समृद्ध समाज की रचना संभव होती है।

इस अवसर पर शिक्षा विभाग की स्मारिका का विमोचन भी किया गया। समारोह का मुख्य आकर्षण रहा निदेशक प्रभारी पुरस्कार वितरण, जिसके अंतर्गत 24 शिक्षक एवं गैर-शिक्षकीय कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। साथ ही चार राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त भूतपूर्व शिक्षकों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

महाप्रबंधक (शिक्षा) शिखा दुबे ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए उपस्थित सभी अतिथियों एवं पुरस्कृत शिक्षकों का स्वागत किया तथा बीएसपी विद्यालयों की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने राष्ट्र निर्माता के रूप में शिक्षकों के अथक प्रयासों को रेखांकित करते हुए कहा कि शिक्षकों के निरंतर प्रयास ही बच्चों के सर्वांगीण विकास और सशक्त राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका अदा करते हैं। बदलते समय की चुनौतियों और विविध आकर्षणों के बीच शिक्षक ही विद्यार्थियों को सही दिशा प्रदान कर उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने की ओर अग्रसर करते हैं। विद्यार्थियों ने अपनी बहुमुखी प्रस्तुतियों से समारोह को और भी सजीव बना दिया। बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-10 के विद्यार्थियों ने गुरु की महिमा पर आधारित लघुनाटिका प्रस्तुत की। इसके पश्चात् विद्यार्थियों द्वारा संगीतमय गुरु वंदना की प्रस्तुति दी गई। बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-10 के छात्र जगन्नाथ बाग और बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-7 की छात्रा कु. मनप्रीत कौर ने शिक्षक दिवस पर अपने विचार व्यक्त किए, वहीं भिलाई विद्यालय, सेक्टर-2 की छात्रा कुमारी रिया ने भावपूर्ण कविता प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिकाओं नमिता देशपांडे एवं महुआ चटर्जी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-10 की प्राचार्या सुमिता सरकार द्वारा प्रस्तुत किया गया। राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ।

लीनेस क्लब ने सम्मानित किया विशेष स्कूल के शिक्षकों को

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। लीनेस क्लब भिलाई की ओर से शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर विशेष बच्चों के प्रमुख शिक्षकों का सम्मान स्टील क्लब भिलाई में किया गया। इस दौरान शिक्षकों के मनोरंजन के लिए गेम्स व सांस्कृतिक कार्यक्रम रखे गए। शिक्षकों का सम्मान श्रीफल, चुन्नी और स्मृति चिन्ह से किया गया। शिक्षकों ने इस सम्मान के लिए आभार जताया।

सम्मानित किए गए इन शिक्षकों में प्रयास स्कूल से प्रिंसिपल डॉ. राजेश पांडेय, प्रयास श्रवण दिव्यांग संस्थान से प्रयास टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज की प्रिंसिपल प्रिया रस्तोगी, पाठ्यक्रम समन्वयक लक्ष्मी यादव, विशेष शिक्षण प्रशिक्षक निकिता सोनपिपरे, अर्पणा चम्बारे, अनामिका साहू, नीतू सिंह और मोहम्मद जलालुद्दीन रिजवी, मूक बधिर शाला शांति नगर से संध्या द्विवेदी व सौम्या द्विवेदी शामिल थे।

लीनेस क्लब की ओर से अध्यक्ष रीटा कुखरनिया, सचिव माला पोपली, कोषाध्यक्ष राजश्री जैन, पास्ट डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट तृप्ता कौर कैम्बो,विभा भूटानी, गीता मिश्रा, अनीता सहगल, अमिता सारस्वत, अंजना विनायक और लता गायकवाड़ ने किया गया। कार्यक्रम का संचालन नूतन गंधोक ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से शक्ति धारणी, शुभ्रा रस्तोगी, बासबी दास, पूनम आहूजा, श्रद्धा राव, सुषमा गुप्ता, सुषमा सिंह, उर्मिला,मनीषा, ममता, मीनाक्षी, स्नेहा, संगीता, लता मंत्री, अर्चना, सुषमा, ऊषा अग्रवाल, देवयानी, मधु और अरुणा, आदि उपस्थित थे।

बीआरएम में शटडाउन लिया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के बार एंड रॉड मिल (बीआरएम) में कल दिनांक 04 सितम्बर, 2025 को चेंज ओवर लिया गया, जिसमें कि मिल का रोलिंग प्रोफाइल 16 एमएम से 10 एमएम किया जाना था। चेंजओवर के दौरान फर्नेस का हॉट एयर रेक्युपरेटर पंक्चर पाया गया। सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए फर्नेस को शटडाउन में ले लिया गया है। जानकारी के अनुसार मिल शटडाउन के लिए बंद की गई है। बी.आर.एम में दिनांक 04 सितम्बर, 2025 को चेंज ओवर लिया गया, जिसमें कि मिल का रोलिंग प्रोफाइल 16 एमएम से 10 एमएम किया जाना था। यह चेंजओवर पूर्व निर्धारित था। चेंजओवर के दौरान उपकरणों की सम्पूर्ण जांच भी की जाती है और इसी जाँच के दौरान फर्नेस का हॉट एयर रेक्युपरेटर पंक्चर पाया गया। सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए फर्नेस को शटडाउन में ले लिया गया है एवं एक विस्तृत मरम्मत की रूपरेखा बनाई गयी है। ज्ञातव्य हो कि बीआरएम का कैपिटल रिपेयर इसी महीने 20 तारीख को नियोजित था, जिसमें मुख्यतया ट्विन चैनल का मेजर ओवरहालिंग, पाइप लाइन्स सम्बंधित कार्य, फर्नेस की मुख्य गैस पाइप लाइन के प्रतिस्थापन का कार्य किया जाना था। बचत को दृष्टिगत रखते हुए और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए हॉट एयर रेक्युपरेटर की मरम्मत के साथ कैपिटल रिपेयर का कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है।

गणपति विहार में काव्य गोष्ठी : कवियों ने मानवता, प्रेम और सामाजिक सरोकारों को दी आवाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। गणपति विहार में आयोजित एक भावपूर्ण काव्य गोष्ठी में क्षेत्र के प्रतिष्ठित कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज को संवेदनशील और गहन संदेश दिए। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अजय आर्य ने किया। कविता पाठ की शुरुआत प्रेम सिंह काव्या ने की। उन्होंने अपनी पंक्तियों मानव से मानव को मुक्त मिलन चाहिए, नफ़रत इंसान से श्वानों से प्यार है के माध्यम से मानवता का आह्वान किया।

वेणु कुरेशिया ने वर्तमान समय की सबसे बड़ी चिंता, बालिकाओं की सुरक्षा, पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं-मांऐं सहमी हुई है, पिताऐं भी भयभीत हैं, अपनी लाडली की सुरक्षा के लिए हर अभिभावक चिंतित हैं। डॉ. अल्पना त्रिपाठी ने रिश्तों की विडंबना और सोशल मीडिया के दौर में आई दूरी पर अपनी पंक्तियाँ प्रस्तुत कीं— हम इतने सगे हैं कि हमारा डीएनए मिलता है, पर मन नहीं।

हेमलाल कुरेशिया ने अपनी रचना 'इंजीनियर कवि' में तकनीकी ज्ञान और संवेदनाओं के अद्भुत संगम को रेखांकित किया। सुनीता परगनिहा ने उत्तराखंड त्रासदी के शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा-उत्तरांचल की माटी में, केदारनाथ की घाटी में, जिसने प्राण गंवाए हैं, उन्हें गंगा मैया गले लगाई है।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अजय आर्य ने कहा तेरा चिराग अलग है मेरा चिराग अलग है उजाला तो फिर भी जुदा नहीं होता।। उन्होंने मतभेदों को छोड़ने का आग्रह किया। उन्होंने अपनी प्रेम श्रृंगार रस की कविता मुझको भी जीने की वजह दे दे और तेरी यादों की चादर ओढ़ कर सो रहा हूं सुनाया, जिसे श्रोताओं ने पसंद किया। पंडित राजेन्द्र शर्मा ने परिवार और प्रेम की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा- प्रेम और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मानव समाज को परमात्मा का सर्वोच्च वरदान है, परिवार में पति- पत्नी का प्रेम ही धरती को स्वर्ग बनाता है। इसके अतिरिक्त, सीता देवी गुप्ता, धीरेंद्र सिंह, के.डी. वैष्णव और मन्नूलाल ने भी अपनी कविताओं में सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों पर गहन अभिव्यक्तियाँ दीं। सभी कवियों की रचनाओं को श्रोताओं ने सराहा और भावविभोर होकर तालियों से अभिनंदन किया।

आयोजन मंडल में महेश शर्मा, प्रमोद सिन्ह, धर्मेंद्र सिंह, प्रवीण पटेल,निशिकांत परगनिहा, डॉ. छावड़ा, दीपा माखीजानी, पतिराम साहू, रेखा बोहरे और भूषण देवांगन शामिल रहे। सभी ने मिलकर कवियों का सम्मान किया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसे अम्बरीश त्रिपाठी ने प्रस्तुत किया।

जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर शहर में जुलूस, लंगर और तकरीर सहित कई आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पैगम्बर हजरत मुहम्मद के 1500 वें जन्मदिन पर शहर में सुबह से देर रात तक जुलूस, तकरीर, नातिया कलाम लंगर और सम्मान समारोह सहित कई आयोजन हुए। इन आयोजनों में बड़ी तादाद में लोगों की भागीदारी रही। जुलूसे मुहम्मदी में लोग नात शरीफ पढ़ते हुए चल रहे थे। वहीं जगह-जगह शरबत के सबील और लंगर के स्टॉल भी लगाए गए थे। शाम को जामा मस्जिद सेक्टर-6 के ईदगाह मैदान में नारा-ए-तकबीर अल्लाहू अकबर और नारा-ए-रिसालत या रसूल अल्लाह की गूंज के बीच परचमे इस्लाम फहराया गया।

इसके पहले ईद मिलादुन्नबी पर आयोजनों की शुरूआत शुक्रवार की सुबह से हो गई। फज्र की नमाज के बाद शहर की तमाम मस्जिदों, सभी मदरसों में परचमे इस्लाम फहराया गया और नात शरीफपढ़ी गई। शहर में कैम्प-1, कैम्प-2, खुर्सीपार, फरीद नगर और सेक्टर-7 सहित विभिन्न

मदरसों से सुबह के वक्त जुलूस निकाला गया। इन जुलूसों में बड़ों के साथ-साथ बच्चों की भी बड़ी तादाद में भागीदारी रही। इसके बाद भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट की अगुवाई में मुख्य जुलूस की शुरुआत दोपहर 2 बजे गौसिया मस्जिद केम्प-1 से हुई। जुलूस की कयादत हजरत अल्लामा सैयद मुहम्मद अहरार आलम वफा शहबाज़ी कर रहे थे। साथ ही जामा मस्जिद सेक्टर-6 के इमाम इकबाल अंजुम हैदर, भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट के सदर मिर्जा आसिम बेग और तमाम मस्जिदों के इमाम व ओहदेदार भी जुलूस में खास तौर पर मौजूद थे।

जुलूस की शुरुआत में हाउसिंग बोर्ड से आने वाली अंजुमन भी गौसिया मस्जिद रोड , केम्प-01 से साथ में शामिल हुई। जुलूस यहां से लिंक रोड से होते हुए केम्प-2 रज़ा जामा मस्जिद पहुंचा। जहां से मदरसा रोड होते हुए शीतला काम्पलेक्स से नंदनी रोड पहुंचा। जिसमें सुपेला से गरीब नवाज़ मस्जिद, रामनगर बोरा लाइन से मस्जिद मदरसा अफ़ज़ल उल उलूम तक के लोग शामिल हुए।

इसके पहले दोपहर में जुमे की नमाज के बाद हाउसिंग बोर्ड शेरे खुदा ईदगाह मैदान में परचम कुशाई के बाद जुलूस मोहम्मदी निकला, जो हाऊसिंग बोर्ड के आम रास्तों से होता हुआ फौजी नगर, छावनी चौक, वहां से छावनी रोड होता हुआ पावर हाउस चौक पर जाकर अन्य जुलूस के साथ मिल गया। जुलूस पावर हाउस ओवर ब्रिज पार करके इक्विपमेंट चौक पहुंचा। यहां पर खुर्सीपार जोन 1/2 व जोन-3 से आने वाली अंजुमन भी शामिल हुईं। फिर सेंट्रल एवेन्यू रोड से सेक्टर-5 चौक होते हुए शाम 06 बजे तक सेक्टर-6 जामा मस्जिद के ईदगाह मैदान पहुंचा। यहां मगरिब की नमाज के वक्त शाम को परचम कुशाई की गई। मगरिब की नमाज़ के फौरन बाद ईदगाह मैदान में तक़रीरी प्रोग्राम हुआ जिसमें अल्लामा सैयद मुहम्मद अहरार आलम वफा शहबाजी ने सीरतुन्नबी का बयान किया।

जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मौके पर मदनी मस्जिद जोन 1/2 खुर्सीपार में सुबह नमाज फ़ज़्र पैगम्बर हजरत मुहम्मद सरकार के मुए मुबारक (पवित्र केश) की जियारत करवाई गई। वहीं इलाके में जुलूसे मुहम्मदी भी निकाला गया। दुर्ग शहर में जुलूसे मोहम्मदी की कयादत हज़रत अल्लामा अश्शाह सैय्यद अहमद अशरफ अशरफ़ी उल जिलानी ने की। जुमे की नमाज उन्होंने जामा मस्जिद दुर्ग में पढ़ाई और इसके बाद जुलूस निकला।

नबी के दीवाने (एनकेडी) ग्रुप कैंप-1 की ओर से सुबह 6.00 बजे सुल्तानपुर ताजिया चौक में परचम कुशाई की गई और शीरनी बांटी गई। शोहदाए कर्बला कमेटी (एसकेसी) की ओर से जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर अहमद नगर कैम्प-2 को शानदार झालर व लाइटों से रोशन किया गया। यहां नात शरीफ पेश करने वाले बच्चों को इनाम दिए गए।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

गांजा-शराब बिकने वाले अड्डे पर चला नगर पालिका का बुलडोजर

बलौदाबाजार। मगरचबा के पास खोरसी नाला पुल के नीचे किए गए अवैध अतिक्रमण पर आखिरकार बुलडोजर चल ही गया। तहसीलदार राजू पटेल के नेतृत्व में नगर पालिका की टीम के अतिक्रमण हटाने का काम किया। जानकारी के अनुसार, कलेक्टर दीपक सोनी व एसपी भावना गुप्ता को शिकायत मिली थी कि ग्राम मगरचबा में खोरसी नाला पुल के नीचे कुछ लोगों ने अतिक्रमण कर नशे की सामग्रियों की बिक्री करते हैं। इसकी वजह से वहां दिनभर आसामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। नशे में धुत्त लोगों अपशब्दों का इस्तेमाल करते हैं। शिकायत पर कलेक्टर दीपक सोनी ने सख्त रूख दिखाया और तत्काल एसडीएम को अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया, जिसके बाद आज नगरपालिका की टीम ने अवैध अतिक्रमण हटा दिया है। अतिक्रमण करने वाले लोगों को सख्त चेतावनी दी कि दोबारा अतिक्रमण न कर और नहीं अनैतिक काम करें वरना कठोर कार्रवाई की जाएगी।

आज्ञा का पालन ही धर्म है : मनीष

रायपुर। टैगोर नगर पटवा भवन में जारी चातुर्मासिक प्रचवनमाला में गुरुवार को उपाध्याय प्रवर युवा मनीषी मनीष सागरजी महाराज ने आज्ञा का पालन करने की सीख दी। उन्होंने कहा कि आज्ञा का पालन ही धर्म है। सदैव परमात्मा और बड़ों की आज्ञा का पालन करना चाहिए। बड़ों से आज्ञा लेकर काम करना चाहिए। बड़ों की आज्ञा का पालन करते हुए काम होगा तो आपका विकास अपने आप होता जाएगा।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि जब-जब हम अपनी सीमा को पार करेंगे जीवन बिगड़ेगा। इसलिए सदैव समझदार लोगों का अनुशरण करना चाहिए। परिपक्वता तभी आएगी जब बड़ों की आज्ञा का पालन होगा। जीवन में उलझनों में नहीं फसोगे। सदैव अपने से बड़ों का मार्गदर्शन प्राप्त करो। कभी गलत मार्ग में भी जाते रहोगे तो बड़े अपने अनुभवों से आपको सही मार्ग दिखाएंगे। उन्होंने कहा कि श्रद्धा और समर्पण बड़ों के प्रति सदैव रहना चाहिए। अच्छाइयों को ग्रहण कर अपने जीवन में अपनाएंगे तो जीवन संवर जाएगा। अधिक अनुभवी व सही मार्गदर्शक परमात्मा, सद्गुरु, सदधर्म, कल्याण मित्र, माता-पिता व बड़े बुजुर्ग हैं।कोई भी कार्य करो आज्ञा लेकर करने की आदत डाल लो। आज्ञा लेने में कोई शर्म नहीं करनी चाहिए। बड़ों की आज्ञा से चलोगे जीवन अच्छा चलेगा।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि जीवन में यह सिस्टम ही बना लो की आज्ञा सदैव मांगूंगा। बड़ों की आज्ञा का पालन करने से कुछ नहीं बिगड़ेगा। हमारे निर्णय से यदि बिगड़ने वाला कार्य भी होगा तो बड़ों के अनुभव से जरूर सुधर जाएगा। लाभ जहां है वहां लोग आ जाता है। जीवन में बहुत से उतार-चढ़ाव आते हैं। जिंदगी एक यात्रा है। जिंदगी में अनुकूल व प्रतिकूल लहरें आती रहती है। अस्थिर होकर अकेले चलोगे तो लड़खड़ा जाओगे। बड़ों के अनुभव से चलोगे तो संभल जाओगे।

युवा शक्ति ही है विकसित भारत का आधार: सांसद बृजमोहन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। युवा सिर्फ भविष्य नहीं हैं, बल्कि आज के भारत की सबसे बड़ी ताक़त हैं। उनके जोश, ज्ञान और संकल्प के बल पर ही हम 2047 तक विकसित भारत का स्वप्न साकार करेंगे। यह कहना है लोकप्रिय सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल का, जिन्होंने राजधानी स्थित कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मंडपम में आयोजित नया भारत उत्सव में शामिल होकर भविष्य के भारत निर्माता युवाओं से संवाद किया। श्री अग्रवाल ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने बीते 11 वर्षों में अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं, जिनमें विकसित भारत 2047 का संकल्प, ऑपरेशन सिंदूर की अभूतपूर्व सफ्लता और छत्तीसगढ़ का योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने भी उनसे सवाल पूछे।

एनआईटी की छात्रा इशिता तिवारी ने जब पूछा कि मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि क्या है? तो सांसद श्री अग्रवाल ने कहा पूरे देश को मान-सम्मान और स्वाभिमान दिलाते हुए भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में ले जाना ही मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि है। इसी तरह तृप्ति ने जब प्रश्न किया कि विकसित भारत बनाने में छत्तीसगढ़ का क्या योगदान होगा? इस पर श्री अग्रवाल ने कहा जिस दिन हम नए भारत के लोग जागरूक होकर अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे, उस दिन केवल हमारे गली-मोहल्ले ही नहीं, बल्कि पूरा राज्य और देश विकसित होगा। छत्तीसगढ़ के पास कोयले और अन्य खनिज संपदा के साथ ही अब लीथियम का भंडार मिला है, जो आर्थिक रूप से विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने सभी युवाओं से समाज के उत्थान, राज्य और देश के विकास में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। इस अवसर पर विकसित भारत-2047 एवं ऑपरेशन सिंदूर विषय पर आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित भी किया गया। गौरतलब है कि एनआईटी, एम्स, ट्रिपल आईटी, आईआईएम, सिपेट समेत 100 से अधिक शैक्षणिक संस्थानों के 50 हज़ार से अधिक विद्यार्थियों ने इसमें भाग लेकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया था। कार्यक्रम में कुलपति कृषि विश्वविद्यालय डॉ। गिरीश चंदेल, भाजपा ज़िला अध्यक्ष रमेश ठाकुर, ज़िला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, सुप्रसिद्ध शिक्षाविद जी स्वामी, शताब्दी पांडेय, कार्यक्रम संयोजक दान सिंह देवांगन और कार्यक्रम प्रभारी संजय जोशी समेत बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

शिक्षक सम्मान समारोह में शामिल हुए बृजमोहन अग्रवाल

मधु पिल्ले चौक विमतारा हॉल में शिक्षक दिवस के अवसर पर प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया, जिसके मुख्य अतिथि के रूप में बृजमोहन अग्रवाल रायपुर के सांसद और रायपुर दक्षिण के विधायक सुनील सोनी रायपुर उत्तर के विधायक पुरंदर मिश्रा शामिल हुए। बृजमोहन अग्रवाल ने विधायक इंद्रकुमार साहू को जन्मदिन की बधाई दी अभनपुर में रक्त बृजमोहन अग्रवाल ने विधायक इंद्रकुमार साहू को जन्मदिन की बधाई दी। अग्रवाल समाज भवन चंडी मोड अभनपुर में जन्मोत्सव मनाया जा रहा है। जहां बीजेपी कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भीड़ उमड़ी हुई है। इंद्र कुमार साहू (जन्म 1967) छत्तीसगढ़ के एक भारतीय राजनीतिज्ञ हैं। वे रायपुर जिले के अभनपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं।

वाणिज्य विभाग में कार्यरत 56 कर्मचारियों को उत्कृष्ट सेवा पूर्ण करने पर किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर/बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक, प्रवीण पाण्डेय के द्वारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के वाणिज्य विभाग में कार्यरत ऐसे कर्मचारियों, जिन्होंने रेलवे की गौरवशाली सेवा में 30 वर्षों की उत्कृष्ट सेवा पूर्ण की उन्हें प्रशस्तिपत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर प्रवीण पाण्डेय, प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक ने अपने संबोधन में वाणिज्य विभाग में कार्यरत सभी कर्मचारियों की कर्तव्यनिष्ठा, कार्यकुशलता एवं उनके अनुकरणीय योगदान के प्रशंसा करते हुए कहा कि रेलयात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुँचाने में व्यवस्था हेतु दिन-रात 24 घंटे में लगे रहते है। रेल कर्मचारियों की इस सेवा में उनके परिवारजनों की भी अपरोक्षरूप से भागीदारी व त्याग रहती है, जिससे कर्मचारी समय पर रेल की सेवा में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित कर पाते है। कर्मचारियों की इस सेवा भावना को ध्यान में रखते हुए रेलवे में 30 वर्षों की गौरवशाली सेवा पूर्ण करने वाले वाणिज्य विभाग के 56 कर्मचारियों (मुख्यालय-14, बिलासपुर-13, रायपुर-11 एवं नागपुर मंडल से 18) को प्रशस्थिपत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

प्रवीण पाण्डेय, प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक ने अपने संबोधन में आगे कहा कि इन कर्मचारियों की 30 वर्षों की उत्कृष्ट सेवा अनुभव का लाभ आने वाले समय में रेलवे की सेवा को और बेहत्तर बनाने में बहुत काम आयेगी। इस अवसर पर आयोजित समारोह में वाणिज्य विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों सहित कर्णचारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

चौथी रेल लाइन से जोड़ने का काम पूरा

बिलासपुर-झारसुगुड़ा के बीच बन रही 206 किलोमीटर लंबी चौथी रेल लाइन परियोजना तेजी से अंतिम चरण में पहुँच रही है। इसी कड़ी में रायगढ़ स्टेशन को चौथी रेल लाइन से जोडने का काम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। इसके साथ ही स्टेशन यार्ड का बड़ा मॉडिफिकेशन भी किया गया, जिससे यार्ड अब और आधुनिक रूप में बदल गया है। रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार इस काम में 28 टर्नआउट्स को हटाकर फिर से लगाया गया, 4 टी-28 पोर्टल्स का उपयोग कर जटिल कार्य पूरे किए गए। टीआरटी और बीसीएम मशीनों की मदद से 850 मीटर ट्रैक का नवीनीकरण और डीप स्क्रीनिंग की गई। वहीं 1500 मीटर तक ट्रैक स्लूइंग और लिंकिंग का काम हुआ, साथ ही प्लेटफॉर्म का संशोधन भी किया गया। इस पूरे काम में 350 से ज्यादा श्रमिक और 28 से अधिक इंजीनियरों ने दिन-रात मेहनत की। स्टेशन मास्टर और मुख्य यातायात निरीक्षक भी कार्य में सक्रिय रूप से जुड़े रहे। भारी बारिश और कठिन हालात के बावजूद काम तय समय पर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया गया।

इच्छाओं पर नियंत्रण ही उत्तम आकिंचन धर्म है : भाई सुरेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दिगम्बर जैन सम्प्रदाय के चल रहे दसलक्षण पर्व (पर्युषण पर्व) के नवम दीवस पर अमलतास केसल , कचना स्तिथ 1008 श्री मुनिसुव्रत नाथ दिगम्बर जैन मंदिर में अकिंचन धर्म की पूजा की गई। श्री मुनिसुव्रत नाथ भगवान को पांडुक शिला पर वीराजित कर अभिषेक के पश्चात बीपी, जैन परिवार, संजय, विभा, ऐश्वर्य, आयुष, रिया परिवार, डॉ. अमित, नेहा, आरूप, आशी जैन परिवार, एवं शीतल चंद पालीवाल परिवार द्वारा शांतिधारा की गई। उपरोक्त जानकारी मंदिर के अध्यक्ष हिमांशु जैन ने दी ।

उत्तम आकिंचन धर्म के बारे में विस्तार से बताते हुए भाई सुरेश मोदी ने कहा कि आकिंचन्य धर्म का अर्थ होता है कि किंचित मात्र भी विकल्प का लोप होना अर्थात निर्विकल्प होना, इस शरीर में एक सुई के धागे जैसे जितना भी वस्त्र ना होना अर्थात दिगम्बरत्व को धारण करना ही उत्तम आकिंचन धर्म कहलाता है मनुष्य एक सामाजिक प्राणी समाज और राष्ट्र के बीच रहते हुए भविष्य की अनेक योजनाएं बनाता है यह कभी भी समाप्त नहीं होती बल्कि एक के बाद एक बढ़ती ही जाती है यह ज्ञानी प्राणी अपने अमूल्य जीवन को ऐसे नश्वर और क्षणभंगुर पदार्थों को,जो आत्मा से भिन्न है अपना मानने में ही व्यर्थ समाप्त कर रहा है जब तक जीव आसक्ति का त्याग नहीं करेगा तब तक उसे अनाशक्ति का गुण प्राप्त नहीं होगा, महत्वाकांक्षाओं पर अंकुश लगाना इच्छाओं पर नियंत्रण रखना ही उत्तम आकिंचन्य धर्म है। मंदिर के अध्यक्ष हिमांशु जैन ने बताया कि दसलक्षण पर्व के अंतिम दीवस अनंत चौदस पर उत्तम ब्रम्हचर्य पर्व की पूजा की जाएगी एवं 1008 श्री वासुपूज्य भगवान के मोक्ष कल्याणक पर निर्वाण लाडू चढ़ाया जाएगा।

पाठ्य पुस्तकों में छत्तीसगढ़ के महापुरुषों की जीवनी को शामिल करने पथ तैयार करें-प्रदेश संगठन महामंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल ने प्रदेश के साहित्यकारों से सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण आदि विषयों पर साहित्य लेखन के जरिए सामाजिक जागरण करने पर बल दिया है। क्षेत्रीय संगठन महामंत्री श्री जम्वाल कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में प्रदेश के वरिष्ठ साहित्यकारों से चर्चा कर रहे थे। विदित रहे, प्रदेश के साहित्यकारों ने श्री जम्वाल और प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय से सौजन्य भेंट की। भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुँचे साहित्यकारों में डॉ. चित्तरंजन कर, गिरीश पंकज, माणिकलाल वर्मा, डॉ. बलदाऊराम साहू के साथ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा एवं भाजपा के कार्यालय मंत्री अशोक बजाज उपस्थित थे।

गौरतलब है, छत्तीसगढ़ के साहित्यकार हाल ही में भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों की हिंदी राजभाषा समिति में सलाहकार नियुक्त किए गए हैं। इस दौरान भाषा और साहित्य विषय को लेकर विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा भी हुई। प्रदेश संगठन महामंत्री श्री साय ने स्कूली पाठ्य पुस्तकों में छत्तीसगढ़ के महापुरुषों की जीवनी को शामिल करने के लिए पथ तैयार करने का आग्रह किया।

भाजपा पदाधिकारियों से भेंट व चर्चा के बाद साहित्यकारों ने प्रदेश कार्यालय में स्थापित नानाजी देशमुख ग्रन्थालय का भी अवलोकन किया। इस समय प्रदेश के सह कार्यालय मंत्री प्रीतेश गांधी, प्रदेश मंत्री श्रीमती हर्षिता पांडेय सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वन बंधु परिषद राष्ट्रीय महिला समिति रायपुर को मिले 5 पुरस्कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन बंधु परिषद राष्ट्रीय महिला समिति की वार्षिक बैठक 3 एवं 4 सितंबर को रांची में संपन्न हुई। जानकारी देते हुए छत्तीसगढ़ प्रदेश मीडिया प्रभारी कविता राठी ने बताया कि यह भव्य आयोजन रांची महिला समिति, धनबाद महिला समिति सहित जमशेदपुर महिला समिति के संयुक्त तत्वाधान में हुआ।

बैठक की व्यवस्था ईस्ट जोन चेयरपर्सन जयश्री ने की और दो दिनों तक पूरे दायित्व को सफलता से निभाया। वही प्रदेश उपाध्यक्ष अनिता खंडेलवाल ने बताया कि बैठक में पूरे भारतवर्ष से 35 महिला समितियों की लगभग 250 पदाधिकारियों ने भाग लिया और अपनी वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक की अध्यक्षता महिला समिति RMS की अध्यक्ष बिनिता जाजू ने की जहां राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश महेश्वरी भी शामिल हुए।

रायपुर महिला समिति अध्यक्ष कांता सिंघानिया ने बताया कि बैठक के समापन पर वर्षभर की गतिविधियों के आधार पर विभिन्न

श्रेणियों में समितियों को सम्मानित किया गया जहां रायपुर महिला समिति को कुल 5 पुरस्कार प्राप्त हुए।

राज्य स्तर पर सर्वाधिक ओटीएस संग्रह,राज्य स्तर पर संक्रांति संग्रह,राष्ट्रीय स्तर पर सोलो एग्जिबिशन,जोनल मीट आयोजित करने हेतु प्रशस्ति पत्र सहित RMS अध्ययन यात्रा आयोजित करने हेतु प्रशस्ति पत्र से नवाज़ा गया। उक्त बैठक में सचिव सरिता रेखानी के नेतृत्व में राजश्री गुप्ता, आरती अग्रवाल, सुशीला अवधिया, शैल यदु, हेमलता बंसल, मनीषा सिंघानिया सहित भिलाई महिला समिति की अध्यक्ष जया रेड्डी, सचिव कल्पना स्वामी शामिल हुए। श्रीमती राठी ने कहा कि यह सफलता समिति की सभी बहनों के सामूहिक प्रयास, समर्पण और एकजुटता का परिणाम है।

महिला स्व सहायता समूह आत्मनिर्भर भारत का मजबूत आधार: अग्रवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि महिला स्व सहायता समूह केवल परिवार की आर्थिक मजबूती का आधार नहीं हैं, बल्कि वे समाज में आत्मनिर्भरता, स्वाभिमान और सामाजिक परिवर्तन की सशक्त मिसाल भी हैं। इन समूहों ने साबित किया है कि सामूहिक प्रयास से बड़ी से बड़ी चुनौतियों को अवसरों में बदला जा सकता है।

माना कैंप में आयोजित स्व सहायता समूह सम्मान समारोह में शामिल होकर सांसद श्री अग्रवाल ने महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर

उन्होंने समूहों की आर्थिक मजबूती के लिए 68 महिला स्व सहायता समूहों को आर्थिक सहायता के चेक वितरित किए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार द्वारा नारी शक्ति को आत्मनिर्भर बनाने के लिए चलाई जा रही योजनाएँ आज गाँव-गाँव और बस्तियों की बहनों के जीवन में परिवर्तन की नई रोशनी ला रही हैं। ये योजनाएँ न केवल आजीविका का साधन बन रही हैं, बल्कि समाज में महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन की दिशा में क्रांतिकारी बदलाव ला रही हैं। कार्यक्रम में जिला भाजपा उपाध्यक्ष श्यामा चक्रवर्ती, नगर पंचायत अध्यक्ष संजय यादव, मंडल अध्यक्ष भीमवंत निषाद, पूर्व मंडल अध्यक्ष रविन्द्र सिंह ठाकुर, नपा उपाध्यक्ष के। एबु, उर्मिला चौहान, पार्षद राखी मंडल, पार्षद काजल मंडल समेत समस्त पदाधिकारी माना मंडल उपस्थित रहे।

क्षमता विकास से स्वच्छ शहरों की ओर सशक्त कदम

रायपुर। राज्य शहरी विकास अभिकरण (SUDA), छत्तीसगढ़ द्वारा स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत, SNA SPARSH संबंधित घटकों पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला के प्रथम दिवस दिनांक 03 सितंबर 2025 रायपुर तथा सरगुजा संभाग के समस्त 67 नगरीय निकायों से लेखाधिकारी/लेखापाल तथा पदस्थ पीआईयू विशेषज्ञ सम्मिलित हुए।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

अवनीत कौर की फिल्म लव इन वियतनाम का ट्रेलर रिलीज, दिखी दर्द भरी प्रेम कहानी

फिल्म लव इन वियतनाम में प्यार की कहानी देश की सीमाओं को पार करके एक खूबसूरत दुनिया से दर्शकों को रूबरू कराएगी। इस फिल्म में अवनीत कौर, शांतुन महेश्वरी लीड रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म में वियतनामी एक्ट्रेस खा नागन भी हैं। फिल्म में लव ट्राइएंगल है, जो इन तीनों के किरदार के बीच बनता है।

फिल्म लव इन वियतनाम के ट्रेलर में पंजाब से शुरू होकर कहानी वियतनाम तक पहुंचती है। एक लड़का (शांतुन) और लड़की (अवनीत कौर) बचपन से एक-दूसरे को जानते हैं। लड़की की ख्वाहिश बड़े होकर लड़के की दुल्हन बनने की है। लेकिन लड़के पिता बड़े होने पर उसे वियतनाम भेज देते हैं। वियतनाम पहुंचकर उसे एक तस्वीर देखकर अनजान वियतनामी लड़की (खा नागन) से प्यार हो जाता है। लेकिन असल में वह उससे मिला भी नहीं है। इस वजह से पंजाबी की लड़की और उसकी दोस्त का दिल टूट जाता है। आखिरी ये प्रेम कहानी किस अंजाम पर जाकर खत्म होगी, यही फिल्म में दिखाया जाएगा।

फिल्म में अवनीत कौर, शांतुन महेश्वरी और वियतनामी एक्ट्रेस खा नागन के अलावा फरीदा जलाल, गुलशन ग्रोवर, राज बब्बर जैसे नामी कलाकार भी नजर आएंगे। फिल्म में पंजाब और वियतनाम की खूबसूरत लोकेशन भी नजर आएंगी।

फिल्म लव इन वियतनाम ने जल्द ही सिनेमाघरों में पहुंचेगी। ओमांग कुमार, कैप्टन राहुल बाली प्रोड्यूस और राहत शाह काजमी निर्देशित यह फिल्म 12 सितंबर 2025 को थिएटर में रिलीज होगी।

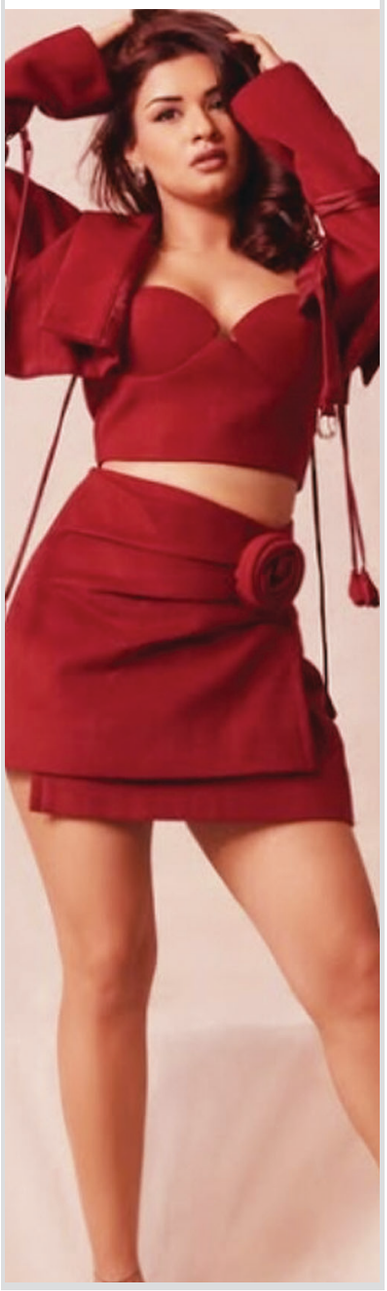

धोखाधड़ी : शिल्पा और राज के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी

मुंबई पुलिस की आर्थिक शाखा ने बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी किया है। दोनों पर 60.4 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी से जुड़े मामले में ये कार्रवाई की गई है। इससे दोनों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं, जो पहले अपने वकील के जरिए इस आरोप को बेबुनियाद मामला बता चुके हैं। दरअसल, इसी साल अगस्त में मुंबई के जुहू पुलिस स्टेशन में शिल्पा और राज कुंद्रा के खिलाफ 60.4 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया था। यह शिकायत जुहू निवासी व्यवसायी दीपक कोठारी ने दर्ज कराई थी। दीपक कोठारी लोटस कैपिटल फाइनेंशियल सर्विसेज के डायरेक्टर हैं।

इसी मामले की जांच के दौरान मुंबई पुलिस की आर्थिक शाखा (ईओडब्ल्यू) ने अब शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। मुंबई पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुलिस इनके ट्रेवल लॉग देख रही थी और अब लुकआउट नोटिस जारी किया गया है। धोखाधड़ी के समय के बीच दोनों कहां-कहां गए और पैसों का लेनदेन कहां-कहां हुआ, मुंबई पुलिस ने यह जानकारी निकाली। ऑडिटर ने कुछ संदेहजनक पाया है इसलिए पूछताछ के लिए उन्हें बुलाया गया है। गणेश उत्सव और अन्य कारणों के चलते उनसे पूछताछ हो नहीं पाई थी।

दीपक कोठारी ने बताया कि साल 2015 में राजेश आर्य नाम के एक व्यक्ति ने उनका परिचय शिल्पा और राज से कराया, जो उस समय कंपनी (बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड) के प्रमुख शेयरधारक थे। आरोप है कि दोनों ने बिजनेस बढ़ाने के नाम पर 75 करोड़ रुपए का लोन मांगा, लेकिन बाद में इसे निवेश के रूप में लेने की बात कही। शिल्पा और राज कुंद्रा ने कोठारी को 12 प्रतिशत ब्याज के साथ मासिक रिटर्न और मूलधन लौटाने का वादा किया।

कोठारी ने अप्रैल 2015 में 31 करोड़ रुपए और सितंबर 2015 में 28 करोड़ रुपए कंपनी में निवेश किए। हालांकि, साल 2016 में शिल्पा ने कंपनी के डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया, जबकि राज कुंद्रा ने व्यक्तिगत गारंटी दी थी। कोठारी को बाद में पता चला कि साल 2017 में कंपनी के खिलाफ एक समझौते की चूक के कारण दिवालियापन की कार्यवाही शुरू हो गई थी। उनका दावा है कि उनके निवेश का पैसा बिजनेस में इस्तेमाल न होकर निजी खर्चों में उड़ा दिया गया। कोठारी की शिकायत पर मुंबई पुलिस ने धोखाधड़ी और जालसाजी की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था।

तान्या मित्तल आलीशान जीवनशैली के बारे में चौंकाने वाले खुलासे पर शिल्पा शिरोडकर की प्रतिक्रिया

बिग बॉस 19 शुरू हो चुका है और दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। यह शो सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है और प्रशंसक अक्सर प्रतियोगियों के झगड़ों और परफॉर्मेंस पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। इस सीजन में, प्रतियोगी तान्या मित्तल प्रशंसकों के बीच चर्चा का विषय बन गई हैं। जब से उन्होंने अपनी आलीशान जीवनशैली के बारे में कुछ चौंकाने वाले खुलासे किए हैं, तब से कई लोगों ने इसे लेकर तरह-तरह की राय बनाई है। इसी तरह, बिग बॉस 18 की स्टार शिल्पा शिरोडकर ने अपने और मौजूदा सीजन के बारे में अपने विचार साझा किए।

शिल्पा शिरोडकर ने बिग बॉस 19 पर अपनी राय साझा की अपने एक्स (जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था) पर, शिल्पा शिरोडकर ने बिग बॉस 19 के प्रतियोगी तान्या मित्तल और आवेज दरबार के बारे में अपनी बेबाक राय व्यक्त की। उन्होंने बिग बॉस 18 की अपनी यादें पुरानी यादों के साथ ताजा कीं। उन्होंने तान्या मित्तल को 'बहुत मजेदार' भी बताया और कहा कि आवेज दरबार एक 'सच्ची आत्मा' हैं। शिल्पा शिरोडकर ने लिखा, सबिगबॉस, ये घर तो मेरा है ना? हाहाहा, अभी भी लगता है कि मैं घर के अंदर हूं! सबीबी हाउस को बहुत मिस कर रही हूं!

तान्या माई की बेटियां के लिए सृष्टि जैन ने सीखी बनारस की बोली, शेयर किया अपना अनुभव

जी टीवी पर एक नया शो शुरू होने वाला है, इसका नाम गंगा माई की बेटियां है। शो में बनारस, वहां की संस्कृति और घाटों को दिखाया जाएगा। इस सीरियल में एक्ट्रेस सृष्टि जैन सुहाना के किरदार में दिखाई देंगी। यह एक ऐसी महिला की कहानी है जिसका कोई लड़का नहीं है, इसलिए उसके पति ने उसे छोड़ दिया।

वह अकेले अपनी बेटियों की परवरिश करने का फैसला करती है। सीरियल में मुख्य किरदार गंगा माई के रूप में शुभांगी लाटकर, सबसे बड़ी बेटी सहाना का किरदार सृष्टि जैन, स्नेह का रोल अमनदीप सिद्धू और सबसे छोटी बेटी सोनी का किरदार वैष्णवी प्रजापति निभाएंगी।

सृष्टि जैन ने इससे पहले मेरी दुर्गा, मैं मायके चली जाऊंगी, और हमारी वाली गुड न्यूज जैसे सीरियल्स में काम किया है। इस शो के लिए सृष्टि जैन ने काफी कुछ नया सीखा है ताकि उनका किरदार रियल लगे।इस शो के बारे में बात करते हुए सृष्टि जैन ने कहा, मेरे लिए, सहाना महज एक किरदार नहीं है, वह वाराणसी की बेटी है, और मैं चाहती थी कि उसकी आवाज में ऐसा एहसास हो कि वह सचमुच बनारस की लगे।

इसके लिए स्थानीय बोली सीखना चुनौतीपूर्ण रहा है। मैंने एक टीचर के साथ मिलकर काम किया, वीडियो देखे, और हमारे निर्देशक, जो वाराणसी के आसपास के इलाके से ताल्लुक रखते हैं, उनसे उच्चारण और बोली की छोटी-छोटी बारीकियों को समझा।

इस प्रक्रिया ने न सिर्फ मुझे पर्दे पर असली लगने में मदद की, बल्कि शहर की संस्कृति और लोगों से जुड़ने का मौका मिला। वाराणसी में एक ऊर्जा है जो आपके अंदर समा जाती है, और मैं चाहती थी कि मेरे किरदार में भी इसकी झलक दिखे।

गंगा माई की बेटियां सीरियल में एक मां, उसकी ममता, और उसकी बेटियों के बीच के अटूट बंधन की मार्मिक कहानी दिखाई जाएगी। इसका प्रीमियर बहुत जल्द ज़ी टीवी पर होगा। फिलहाल शो की रिलीज डेट तय नहीं है, लेकिन जल्द ही इसका ऐलान किया जाएगा।

इन लोगों को नहीं करना चाहिए अनानास का सेवन, हो सकती हैं समस्याएं

अनानास एक ऐसा फल है, जो न केवल स्वाद में खट्टा-मीठा होता है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद है क्योंकि ये इसमें कई खनिज और विटामिन्स मौजूद होते हैं। हालांकि, कुछ लोग ऐसे होते हैं, जिनके लिए अनानास का सेवन करना परेशानी का कारण बन सकता है। आइए आज हम आपको उन लोगों के बारे में बताते हैं, जिन्हें अनानास का सेवन नहीं करना चाहिए क्योंकि ये उनके लिए मुसीबत बन सकता है।

एलर्जी से पीड़ित लोग

अगर आपको किसी भी प्रकार की एलर्जी है तो अनानास का सेवन करने से बचें। अनानास में एक खास तत्व होता है, जो एलर्जी के लक्षणों को बढ़ा सकता है। इस कारण एलर्जी वाले लोगों को अनानास से दूर रहना चाहिए। इसके अलावा अगर आपको त्वचा संबंधी कोई समस्या है तो भी अनानास खाने से बचें क्योंकि यह समस्या को और बढ़ा सकता है।

मधुमेह के मरीज

मधुमेह के मरीजों के लिए भी अनानास का सेवन नुकसानदायक हो सकता है। अनानास में शक्कर होती है, जो खून में शक्कर के स्तर को बढ़ा सकती है। इस कारण मधुमेह के मरीजों को अनानास खाने से बचना चाहिए। हालांकि, अगर आप मधुमेह के मरीज हैं और अनानास खाना चाहते हैं तो डाक्टर से सलाह जरूर लें और अपने चिकित्सक इलाज को ही प्राथमिकता दें।

उच्च रक्तचाप से पीड़ित लोग

उच्च रक्तचाप यानी ब्लड प्रेशर से पीड़ित लोगों के लिए भी अनानास का सेवन करना नुकसानदायक हो सकता है। अनानास में नमक की मात्रा ज्यादा होती है, जो रक्तचाप को बढ़ा सकता है। इस कारण ब्लड प्रेशर के मरीजों को अनानास खाने से बचना चाहिए। हालांकि, अगर आप इसे अपनी डाइट में शामिल करना चाहते हैं तो डाक्टर से सलाह जरूर लें।

दांतों की समस्याओं वाले लोग

दांतों की समस्याओं से पीड़ित लोग भी अनानास का सेवन न करें तो अच्छा है। अनानास में खट्टापन होता है, जो दांतों की समस्याओं को बढ़ा सकता है। इसलिए बेहतर होगा कि दांतों की समस्याओं से पीड़ित लोग अनानास का सेवन न करें। हालांकि, अगर आप इसे अपनी डाइट में शामिल करना चाहते हैं तो डाक्टर से सलाह जरूर लें। इसके अलावा दांतों की देखभाल करते रहें।

पेट की समस्याएं

पेट में गैस या फिर कब्ज की समस्या होने पर भी अनानास का सेवन नहीं करना चाहिए। इससे गैस की समस्या बढ़ सकती है और कब्ज की समस्या हो सकती है। इतना ही नहीं, अनानास के सेवन से पेट में दर्द और जलन भी हो सकती है। इसलिए गैस और कब्ज की समस्या होने पर डाक्टर की सलाह लेकर ही अनानास को अपनी डाइट में शामिल करें।

हर दिन मुस्कुराने की वजह ढूंढे, जेनेलिया डिसूजा के लुक ने जीता फैंस का दिल

एक्ट्रेस जेनेलिया डिसूजा अपनी मासूमियत और सादगी से लोगों के दिलों में खास जगह बनाए रखती हैं। फिल्मों के अलावा, वह अक्सर अपने फैंस से जुड़ने के लिए सोशल मीडिया पर कुछ न कुछ खास पोस्ट करती रहती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं।

तस्वीरों में जेनेलिया का अंदाज किसी राजकुमारी से कम नहीं लग रहा। उन्होंने डार्क ब्राउन कलर का लहंगा पहना हुआ है, जिसमें गोल्डन कलर की स्ट्राइप्स हैं। इस आउटफिट की खास बात उसका दुपट्टा है, जो लाइट बेज कलर का फ्लोरल प्रिंटेड है। इसमें ब्लू, रेड और ग्रीन कलर के फूलों के डिजाइन हैं।

जेनेलिया ने इस लुक के साथ ट्रेडिशनल गहनों को बेहद खूबसूरती से कैरी किया हुआ है। उनके गले में कुंदन चोकर हार है, कानों में भारी झुमके हैं, और हाथों में कंगनों की भरमार है। बालों को उन्होंने हल्का कर्ल कर करके पीछे की ओर बांधा हुआ है, और उसमें सफेद फूलों का एक छोटा सा गजरा है, जो उनके पूरे लुक में चार चांद लगा रहा है।

पहली तस्वीर में जेनेलिया नीचे बैठी हैं, उनकी नजरें झुकी हुई हैं और चेहरे पर हल्की मुस्कान है। तस्वीर देखकर ऐसा लग रहा है, मानो वो किसी सुनहरे ख्यालों में डूबी हुई हों। दूसरी तस्वीर क्लोजअप क्लिक है। इसमें वह पलके नीचे झुकाते हुए कैमरे के लिए पोज दे रही हैं। तीसरी तस्वीर में वह खड़ी हैं और कहीं और देख रही हैं।

इन तस्वीरों को पोस्ट करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, हर दिन मुस्कुराने की वजह ढूंढे। जेनेलिया के इस पोस्ट पर फैंस के कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। लोग उनके लुक के साथ-साथ आउटफिट की भी जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, आपकी स्माइल ही तो हमारी मुस्कान की वजह है। दूसरे फैन ने लिखा, आपकी खूबसूरती की बात ही अलग है। अन्य फैंस ने उन्हें एथनिक क्वीन का टैग दिया।

अपने बच्चे को परीक्षा के तनाव से निकालने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

परीक्षा का समय बच्चों के लिए बहुत तनावपूर्ण होता है। इस दौरान माता-पिता का व्यवहार और समर्थन बहुत जरूरी होता है। बच्चों को परीक्षा के दौरान तनाव से निपटने के लिए सही मार्गदर्शन और सहारा देकर उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाया जा सकता है। इस लेख में हम कुछ सरल और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने बच्चों को परीक्षा के दौरान तनावमुक्त रख सकते हैं।

नियमित आराम दें

परीक्षा की तैयारी करते समय बच्चों को नियमित आराम देना बहुत जरूरी है। लगातार पढ़ाई करने से थकान और तनाव बढ़ता है इसलिए हर 1-2 घंटे बाद 10-15 मिनट का आराम जरूर दें। इस दौरान बच्चे थोड़ी देर टहल सकते हैं, संगीत सुन सकते हैं या अपनी पसंदीदा गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं। इससे उनका मन हल्का रहेगा और वे ताजगी महसूस करेंगे, जिससे उनकी पढ़ाई की क्षमता भी बढ़ेगी।

सकारात्मक सोच बढ़ावा दें

बच्चों को हमेशा सकारात्मक सोच रखने की सलाह दें। उन्हें बताएं कि हर मुश्किल परिस्थिति में कुछ अच्छा भी हो सकता है और असफलता का मतलब यह नहीं कि वे कभी सफल नहीं हो सकते। उन्हें प्रेरित करें कि वे अपनी गलतियों से सीखें और आगे बढ़ें। सकारात्मक सोच से बच्चे आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे और तनाव को बेहतर तरीके से संभाल पाएंगे। यह उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाएगा और उनके प्रदर्शन में सुधार लाएगा।

पर्याप्त नींद और पोषण दें

बच्चों को पर्याप्त नींद और पोषण देना बहुत जरूरी है। परीक्षा के दौरान नींद की कमी और खराब आहार से उनका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित होता है। उन्हें अच्छी नींद लेने और पौष्टिक भोजन खाने के लिए प्रेरित करें। इससे उनका दिमाग ताजा रहेगा और वे बेहतर तरीके से पढ़ाई कर पाएंगे। इसके अलावा नियमित व्यायाम भी उनके मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने में

मदद कर सकता है। बच्चों को तनावमुक्त रखने के लिए ये कदम बेहद जरूरी हैं।

ध्यान या मेडिटेशन कराएं

ध्यान या मेडिटेशन बच्चों के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। यह उनकी मानसिक शांति बढ़ाता है और तनाव को कम करता है। बच्चों को रोजाना कुछ मिनट ध्यान करने या मेडिटेशन करने के लिए प्रेरित करें। इससे उनकी ध्यान केंद्रित करने की क्षमता भी बढ़ेगी और वे बेहतर तरीके से पढ़ाई कर पाएंगे। ध्यान या मेडिटेशन से बच्चों का आत्मविश्वास भी बढ़ता है, जिससे वे किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहते हैं।

प्यार और समर्थन दें

अंत में सबसे जरूरी बात यह है कि अपने बच्चों को हमेशा प्यार और समर्थन दें। उन्हें बताएं कि आप उनके साथ हैं चाहे परिणाम कुछ भी हो। उनके साथ बैठकर उनकी चिंताओं को सुनें और उन्हें समाधान सुझाएं। इससे वे आत्मविश्वास से भरे रहेंगे और तनाव मुक्त रहेंगे। इन सरल तरीकों से आप अपने बच्चों को परीक्षा के दौरान तनावमुक्त रख सकते हैं और उनके मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं।

महतारी वंदन योजना

माताओं-बहनों के सम्मान से ही छत्तीसगढ़ की समृद्धि संभव : मुख्यमंत्री साय

महतारी वंदन योजना के तहत 69 लाख से अधिक महिलाओं को 647 करोड़ से अधिक की राशि की गई अंतरित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रायगढ़ जिले के खरसिया में आयोजित भव्य कार्यक्रम में महतारी वंदन योजना की 19वीं किस्त का भुगतान किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश की 69,15,994 महिलाओं के बैंक खातों में सीधे 1000-1000 रुपये की राशि अंतरित की। कुल 647.13 करोड़ रुपये की यह राशि एक क्लिक के माध्यम से हस्तांतरित की गई।

मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर कहा कि महतारी वंदन योजना महिलाओं के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और उनके आत्मसम्मान को सशक्त करने की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह आर्थिक सहयोग न केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाएगा, बल्कि परिवार की आर्थिक मजबूती और सामाजिक सुरक्षा में भी सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने महिलाओं से संवाद करते हुए भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार हमेशा उनके साथ खड़ी है और उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कदम उठाती रहेगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि यह योजना छत्तीसगढ़ की माताओं-बहनों के जीवन में आशा, विश्वास और नई प्रेरणा का संचार कर रही है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि राज्य सरकार महिलाओं की बेहतरी और समाज की उन्नति के लिए इसी प्रकार लगातार कार्य करती रहेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 1 मार्च 2024 से प्रारंभ हुई इस योजना के अंतर्गत अब तक लगभग 69 लाख पात्र महिलाओं को प्रतिमाह सीधे उनके बैंक खातों में आर्थिक सहायता दी जा रही है। आज की 19वीं किस्त सहित अब तक कुल 12,376.19 करोड़ रुपये की राशि हितग्राहियों तक पहुँचाई जा चुकी है। उन्होंने कहा कि यह योजना महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने, आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर करने और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने में अभूतपूर्व भूमिका निभा रही है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि महतारी वंदन योजना प्रदेश की महिलाओं को नई ऊर्जा, आत्मविश्वास और सम्मान प्रदान कर रही है। यह उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। उन्होंने कहा कि योजना का प्रभाव न केवल महिलाओं तक सीमित है, बल्कि इससे पूरे परिवार को मजबूती मिल रही है और समाज में सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे रहा है।राज्य सरकार ने घोषणा की है कि महिलाओं के विकास, सुरक्षा और स्वाभिमान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए महतारी वंदन योजना को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री अरुण साव, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

ग्रामोद्योग से गांव-गांव में रोजगार का होगा विस्तार : मंत्री गजेंद्र यादव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ग्रामोद्योग, स्कूल शिक्षा एवं विधि विधायी विभाग के मंत्री गजेंद्र यादव ने यहां न्यू सर्किट हाउस रायपुर के कॉन्फ्रेंस हॉल में ग्रामोद्योग विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में विभाग के अंतर्गत रेशम, हथकरघा, खादी, हस्तशिल्प एवं माटीकला बोर्ड की कार्यप्रगति का विस्तार से आकलन किया गया।

मंत्री श्री यादव ने बताया कि राज्य में लगभग 3.15 लाख हितग्राही ग्रामोद्योग के विभिन्न कुटीर उद्योगों से रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि जिलों और विकासखंडों में रीपा भवनों में ग्रामोद्योग की गतिविधियाँ संचालित कर अधिक से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाए।

बैठक में निर्णय लिया गया कि दोनाङ्कपत्तल, कांसा, गोबर से जैविक खाद, पपीता से गुलकंद, फर्नीचर जैसे छोटे उद्योगों की स्थापना कर हितग्राहियों को वित्तीय सहायता दी जाएगी, जिससे नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इसके अलावा राज्य शासन ने यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि शासकीय विभागों में केवल राज्य के बुनकरों और कारीगरों द्वारा निर्मित सामग्री की ही आपूर्ति हो। साथ ही रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग में शिल्प ग्राम एवं शिल्प नगरी के निर्माण की कार्ययोजना बनाई जाएगी, ताकि कारीगरों को बेहतर विपणन सुविधा मिले और राज्य की शिल्पकला को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई जा सके।

बैठक में सचिव सह संचालक ग्रामोद्योग श्याम धावड़े, प्रबंध संचालक हस्तशिल्प एवं माटीकला बोर्ड जे. पी. मौर्य, उप सचिव अर्न मरकाम, अपर संचालक रेशम डॉ. राजेश बघेल, संयुक्त संचालक हथकरघा अ. अयाज़ सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की उपलब्धि देश के युवाओं के लिए प्रेरणादायीः मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री साय ने शिक्षक दिवस के खास मौके पर मिशन अंतरिक्ष और प्रोजेक्ट जय विज्ञान का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज शिक्षक दिवस के विशेष अवसर पर मुख्यमंत्री निवास परिसर से स्कूली बच्चों में अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति जागरूकता के लिए मिशन अंतरिक्ष और प्रोजेक्ट जय विज्ञान अभियान का शुभारंभ किया।

इस दौरान जिला प्रशासन रायपुर और इग्नाइटिंग ड्रीम्स ऑफ यंग माइंड फाउंडेशन तथा जिला प्रशासन रायपुर और विज्ञान भारती के मध्य दो महत्वपूर्ण समझौते हुए, जिनसे बच्चों को अंतरिक्ष से जुड़े विषयों की महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री साय ने प्रदेशवासियों की ओर से ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को उनकी सफल अंतरिक्ष यात्रा के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और उनका अभिनंदन किया। उन्होंने शिक्षकों की भूमिका को नमन करते हुए सभी को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने जिला प्रशासन की इस विशेष पहल की सराहना करते हुए कहा कि इन समझौतों का उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना और विज्ञान के प्रति जिज्ञासा एवं उत्साह को बढ़ाना है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने की एक सोच है। विज्ञान प्रश्न पूछने और तर्क करने की शक्ति और समस्याओं का समाधान खोजने की क्षमता प्रदान करता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रोजेक्ट जय विज्ञान के अंतर्गत आयोजित कार्यशालाएं, विज्ञान प्रदर्शनियाँ, प्रतियोगिताएँ और नवाचारी परियोजनाएँ विद्यार्थियों को नई चीजें सीखने और आत्मविश्वास बढ़ाने का अवसर देंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल से छत्तीसगढ़ के बच्चे केवल ज्ञान के उपभोक्ता नहीं, बल्कि नए विचारों और खोजों के सृजनकर्ता बनेंगे। यही आत्मनिर्भर भारत और विज्ञान-आधारित समाज की सच्ची नींव है। मुख्यमंत्री ने बच्चों से आह्वान किया कि वे श्री शुभांशु शुक्ला से प्रेरणा लेकर अपनी रुचि के क्षेत्र में आगे बढ़ें और अपना तथा देश का नाम ऊँचा करें।

अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने कहा कि देश ने जो अवसर उन्हें प्रदान किया है, उसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा—मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी का मैं विशेष आभार व्यक्त करता हूँ कि उनकी पहल से ऐसे सार्थक कार्यक्रम आयोजित हो पा रहे हैं। जब प्रदेश का मुखिया विज्ञान और शिक्षा से जुड़े आयोजनों को महत्व देता है, तो इसका सकारात्मक प्रभाव पूरे प्रदेश पर पड़ता है और बच्चों के भीतर नई ऊँचाइयों तक पहुँचने की प्रेरणा उत्पन्न होती है।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, कलेक्टर रायपुर गौरव कुमार सिंह, प्रदेश भर से जुड़े स्कूली छात्र-छात्राएँ और शिक्षकगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री से ट्रिपल आई टी नया रायपुर के निदेशक प्रोफेसर ओमप्रकाश व्यास ने की सौजन्य मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से यहाँ उनके निवास कार्यालय में ट्रिपल आई टी नया रायपुर के निदेशक प्रोफेसर ओमप्रकाश व्यास ने सौजन्य मुलाकात की।

मुख्यमंत्री साय ने 'आदि वाणी' परियोजना के अंतर्गत गोंडी भाषा अनुवादक मोबाइल ऐप के सफल लॉन्च पर प्रोफेसर व्यास एवं उनकी टीम को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश के लिए गौरव का विषय है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस ऐप के माध्यम से गोंडी बोलने वाले जनजातीय भाई-बहनों की आवाज़ राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुँचेगी। यह तकनीक उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने, शिक्षा तथा शासन-प्रशासन में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने का सशक्त माध्यम बनेगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि ट्रिपल आई टी नया रायपुर भविष्य में भी इसी प्रकार के नवाचार और समाजोन्मुखी अनुसंधान से प्रदेश एवं देश का गौरव बढ़ाएगा।

प्रोफेसर व्यास ने मुख्यमंत्री को बताया कि इस परियोजना में गोंडी भाषा के लिए टेक्स्ट-टू-स्पीच एवं अनुवाद प्रणाली विकसित की गई है। इसके माध्यम से गोंडी से हिंदी और अंग्रेज़ी तथा इसके विपरीत अनुवाद संभव होगा। यह सुविधा अब मोबाइल ऐप के रूप में भी उपलब्ध है, जिससे आम नागरिक इसे आसानी से उपयोग कर सकेंगे। उन्होंने अवगत कराया कि इस परियोजना में ट्रिपल आई टी नया रायपुर के साथ-साथ आईआईटी दिल्ली, आईआईटी हैदराबाद और बिट्स पिलानी जैसे देश के प्रतिष्ठित संस्थान भी सहभागी हैं। 'आदि वाणी' परियोजना को भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा प्रायोजित किया गया है। प्रोफेसर व्यास ने बताया कि इस उपलब्धि से ट्रिपल आई टी नया रायपुर ने राष्ट्रीय पटल पर अपनी सार्थक उपस्थिति दर्ज कराई है।

01 करोड़ 25 लाख रुपए के विभिन्न निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप नारायणपुर जिले में आयोजित मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण सम्मान समारोह एवं छत्तीसगढ़ रजत जयंती कार्यक्रम में शामिल हुए। वन मंत्री कश्यप ने शिक्षक दिवस के अवसर पर एजी आडोटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में सेवानिवृत शिक्षकों को शॉल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया।

उन्होंने कहा की डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस 5 सितम्बर के अवसर पर पूरे देश में शिक्षक दिवस मनाया जाता है। गुरूजनों के आदर्शों का सम्मान करते हुए उनके बताए रास्ते पर चलकर भविष्य को उज्जवल बनाने के लिए हमें कठिन परिश्रम करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बच्चों का भविष्य बनाने के लिए शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, जिससे अपने भविष्य को सफल एवं उज्जवल बनाने के लिए प्राथमिक शालाओं के गुरूजनों के द्वारा बच्चों के भविष्य को बनाने के शिक्षा दी जाती है। उनके शिक्षा को जो बच्चे ग्रहण करते है वे अपने जीवन में सफलता हासिल करते है और अपने मंजील तक पहुंचने में कमयाब होते है। उन्होंने ने कहा कि जिला बने 18 वर्ष हो चुका है अभी और कार्य करने की आवश्यकता है, जिससे हमारे जिले को विकसित जिला बनाने में जिला प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों की सहयोगार्थ भावना से कार्य करने की आवश्यकता है। हमारे देश में गुरू परमपरा का देश है।

कच्चापाल जलप्रपात बनेगा पर्यटन का नया केंद्रः मंत्री केदार कश्यप

पर्यटन केन्द्र बनने से क्षेत्र के स्व-सहायता समूह के महिलाओं को मिलेगा स्वरोजगार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने नारायणपुर जिले के एक दिवसीय प्रवास के दौरान बाईक एवं पैदल चलकर कच्चापाल के जलप्रपात पहुंचकर अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि अबूझमाड़ के जंगल, पहाड़ और झरने यहां की पहचान हैं। यदि इन्हें सुनियोजित ढंग से विकसित किया जाए तो नारायणपुर जिले का नाम पर्यटन के मानचित्र पर और अधिक रोशन होगा। कच्चापाल जलप्रपात को हम प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों की श्रेणी में शामिल करने की दिशा में कार्य करेंगे।

अबूझमाड़ की गोद में बसा प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर कच्चापाल जलप्रपात अब जिले के पर्यटन मानचित्र पर नया आकर्षण का केन्द्र बनने जा रहा है। शुक्रवार को छत्तीसगढ़ शासन के वन मंत्री ने यहां पहुंचकर स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि कच्चापाल वाटरफॉल का मनोहारी दृश्य, पहाड़, नदी-नाले और चारों ओर फैली हरियाली पर्यटकों को आकर्षित करने की क्षमता हैं।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि स्थानीय ग्रामसभा को शामिल करते हुए पर्यटन विकास की ठोस रूपरेखा तैयार की जाए। साथ ही, आसपास के क्षेत्रों में स्व-सहायता समूहों के माध्यम से स्वरोजगार की पहल की जाए, जिससे विशेषकर महिलाओं को आजीविका का नया अवसर मिल सकें।

विवेकान्द आश्रम कच्चापाल में पहुंचकर वन मंत्री ने शिक्षक दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। बच्चों के द्वारा संगीतमय स्वागत गीत के साथ वन मंत्री श्री कश्यप का स्वागत किया गया। इस अवसर उन्होंने बच्चों से कहा की अपने प्रथम गुरू माता-पिता के बताए रास्ते पर चलकर अपने भविष्य को गढ़ने का कार्य करें, जिससे भविष्य में अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए कठिन परिश्रम की आवश्यकता है। गुरूजन मोमबत्ती के समान होते है जो जल कर दुसरे को प्रकाश देते है। इस प्रकार गुरूजनों से विद्यार्जन ग्रहण कर अपने भविष्य को सुखमय बनाने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित किया। गुरूजनों की मांग पर वादयंत्र एवं माईक सेट प्रदाय करने का घोषणा किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम, नगर पालिका अध्यक्ष इंद्र प्रसाद बघेल, एसडीएम अभयजीत मंडावी सहित जिला स्तरीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि और ग्रामीणजन मौजूद थे।

वन मंत्री ने किया छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक की नई शाखा का लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने नारायणपुर जिले के ग्राम सोनपुर में नवनिर्मित छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक की शाखा का विधिवत उद्घाटन किया।

इस अवसर पर स्थानीय ग्रामीणों की उपस्थिति में मंत्री ने क्षेत्र के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। ग्रामीणों ने वन मंत्री से मिनी राइस मिल, सामाजिक भवन, खेल मैदान, किचन शेड और दंतेश्वरी मंदिर के पास शेड निर्माण जैसी मांगें रखी गईं। मंत्री श्री कश्यप ने इन सभी मांगों को शीघ्र पूरा करने का आश्वासन देते हुए कहा कि सरकार ग्रामीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। ग्रामीण बैंक की नई शाखा के खुलने से सोनपुर सहित आसपास के क्षेत्रों के किसानों, व्यापारियों और आम नागरिकों को बैंकिंग सुविधाएं आसानी से उपलब्ध होंगी, जिससे आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

गणेश विसर्जन व ईद की जुलूस में ध्वनि प्रदूषण, चार डीजे संचालकों पर हुई कार्रवाई

जगदलपुर। बस्तर जिला मुख्यालय में पुलिस द्वारा गणेश विसर्जन एवं ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर आयोजित जुलूसों के दौरान ध्वनि नियंत्रण हेतु सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया गया। बावजूद इसके, कुछ डीजे संचालकों द्वारा नियमों की अनदेखी करते हुए अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण फैलाया गया, जो न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि आमजन की शांति एवं स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक है।

उक्त प्रकरण में चार डीजे संचालकों के विरुद्ध कोलाहल नियंत्रण अधिनियम व एमवी तथा एमवी एक्ट के अंतर्गत विधि सम्मत कार्रवाई की गई है। इसके साथ ही बस्तर पुलिस ने सभी डीजे संचालकों एवं आमजन से अपील करती है, कि भविष्य में किसी भी धार्मिक, सांस्कृतिक या सामाजिक आयोजन के दौरान सुप्रीम कोर्ट एवं भारत सरकार द्वारा निर्धारित ध्वनि स्तर के मानकों का कठोरता से पालन करें । नियमों की अवहेलना करने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी, जिसकी जिम्मेदारी स्वयं उल्लंघनकर्ता की होगी।

अनियंत्रित ट्रक डिवाइडर तोड़कर बंधा तालाब में अटकी

कोंडागांव। जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात लगभग 2:30 बजे एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर तालाब के पास बने डिवाइडर को तोड़कर बंधा तालाब में अटक गई । इस घटना में चालक और परिचालक दोनों को चोट आई है, लेकिन कोई जन हानि नही हुई। वहीं बताया जा रहा है कि ट्रक बचेली से लौह अयस्क लेकर रायपुर के लिए निकला था,लेकिन कोंडागांव में हादसा हो गया। दुर्घटना की सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंचकर ट्रैफ्फिक व्यवस्था को वन-वे करते हुए आवश्यक कार्यवाही कर रही है।

कोंडागांव पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ट्रक बचेली निवासी चालक नीलेश कुमार चला रहा था। ट्रक बचेली से रायपुर की ओर लोह अयस्क लेकर जा रही थी, बंधा तालाब के पास चालक ने अचानक सामने से किसी को आता देखकर जैसे ही ब्रेक लगाया, इसके साथ ही चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया।ट्रक अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार करते हुए तालाब में जा घुसा, इस घटना की सबसे बड़ी बात यह रही कि ट्रक तालाब किनारे लगे बिजली के खंभे से नहीं टकराया और दूसरी दिशा से आ रहे वाहनों से भी टक्कर होने से बच गई। जिससे एक बड़ी घटना होने से बच गया।

बर्खास्त पुलिसकर्मी ने युवती से छेड़छाड़, गिरफ्तारी जल्द

अंबिकापुर। सरगुजा में एक बर्खास्त आरक्षक के खिलाफ युवती से छेड़छाड़ करने का मामला दर्ज किया गया है। पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई है कि जिम में आरोपी आरक्षक उसके साथ छेड़छाड़ कर रहा था। दरअसल सीनू फ़िरदौसी पूर्व में पुलिस विभाग में आरक्षक के पद पर कार्यरत थे, मगर उनके अनैतिक कार्यों के कारण ही उन्हें एसपी ने सेवा से बर्ख़ास्त कर दिया था। वर्तमान में एक युवती ने गांधीनगर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि सीनू फ़िरदौसी जिम करने जा रही युवती को जिम में ही अश्लील इशारे करता था। साथ ही युवती ने आरोपी आरक्षक पर छेड़छाड़ का आरोप भी लगाया है। पीड़िता की शिकायत पर गांधीनगर पुलिस ने सीनू फ़िरदौसी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जामुल पुलिस को मिली सफलता, मां-बेटा गिरफ्तार 5.50 लाख कीमती चोरी के आभूषण किया बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। थाना जामुल पुलिस ने चोरी के एक बड़े मामले का पर्दाफाश करते हुए मां-बेटे को गिरफ्तार किया है। गणेश नगर जामुल स्थित एक मकान से चोरी हुए सोने-चांदी के कीमती 5.50 लाख रुपए के जेवरात बरामद किए गए हैं। पकड़े गए आरोपियों में मुख्य आरोपी दीशु जगत और उसकी मां अनुराधा जगत शामिल हैं। आरोपी बेटे द्वारा चोरी किए गए जेवरात को उसकी मां बाजार में खपाती थी।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी सुदर्शन कुमार कुर्रे निवासी गणेश नगर जामुल ने थाना जामुल में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि दिनांक 13 अगस्त 2025 को वह अपने परिवार के साथ बलौदाबाजार गया था। अगले दिन लौटने पर उसने पाया कि घर का दरवाजा टूटा हुआ है। अंदर जाकर देखा तो आलमारी में रखे करीब 1.50 लाख रुपए के सोने-चांदी के गहने चोरी हो चुके थे। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और आस-पास के सीसीटीवी कैमरों की जांच की। साथ ही मुखबिरों की मदद से संदेहियों पर नजर रखी गई। इसी दौरान पुलिस को दीशु

जगत और उसकी मां अनुराधा जगत पर शक हुआ और उन्हें हिरासत में लिया गया।

पुलिस पूछताछ के दौरान शुरुआत में आरोपी मां-बेटे गुमराह करते रहे, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर उन्होंने चोरी की घटना स्वीकार कर ली। जांच में सामने आया कि दीशु जगत ने चोरी कर गहनों का कुछ हिस्सा अपने पास रखा था, कुछ जेवर बेचकर आईफोन खरीदा था और कुछ जेवर अपनी मां के माध्यम से दंतेवाड़ा में गिरवी व बिक्री कर दिए थे। जामुल पुलिस ने टीम बनाकर दंतेवाड़ा भेजा, जहां से चोरी के गहनों को बरामद किया गया। इस प्रकार कुल 5.50 लाख रुपए मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात जब्त किए गए।

आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर केंद्रीय जेल भेज दिया गया है। इस पूरे ऑपरेशन में थाना प्रभारी जामुल निरीक्षक राजेश मिश्रा, सउनि महफूज खान, आरक्षक चेतमान गुरूंग, रत्नेश शुक्ला, तिरिथ बंजारे, रूपनारायण बाजपेयी और चंदन सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आरोपियों का नाम दीशु जगत 20 वर्ष, अनुराधा जगत 42 वर्ष, निवासी क्रांति मार्केट, गुड्डू खान के घर के पास, जोन-3 खुर्सीपार, जिला दुर्ग बरामदगी सोने-चांदी के जेवरात -कीमत लगभग 5.50 लाख रुपए अपराध में प्रयुक्त सामान एवं अन्य सामग्री कानूनी प्रावधान आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 686/25, धारा 331(4), 305, 3(5) BNS के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

स्क्रैप धोखाधड़ी का खुलासा, दो गिरफ्तार, एक फरार

रायपुर। राजधानी रायपुर के उरला थाना क्षेत्र के मेटल पार्क फेस-02 स्थित ममता सोलर कंपनी में एक संगठित षड्यंत्र के तहत लोहे के स्क्रैप की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस हाई-प्रोफाइल मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों सन्नी कुमार सिंह और प्रसन्न कुमार पटेल को गिरफ्तार किया है, जबकि एक अन्य आरोपी रवि अभी फरार बताया जा रहा है। कैसे रचा गया षड्यंत्र? मामले की शुरुआत 4 सितंबर 2025 को हुई, जब आरोपी सन्नी कुमार सिंह, निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी टेकारी, थाना विधानसभा, जिला रायपुर, ममता सोलर कंपनी पहुंचा और कंपनी प्रबंधन को लोहे के स्क्रैप खरीदने का प्रस्ताव दिया। उसने कंपनी से टाटा एस वाहन क्रमांक CG 04 JB 8666 के जरिए करीब 3450 किलो लोहे का स्क्रैप लोड कराया। यहीं से धोखाधड़ी की साजिश रची गई। आरोपियों ने एक जैसे नंबर वाले दो टाटा एस वाहन तैयार कर रखे थे। योजना के तहत, एक वाहन में पत्थर और खराब सीमेंट से भरी बोरियां डाल दी गईं और उस पर त्रिपाल बांधकर कंपनी के बाहर तौल कराने ले जाया गया। वहीं असली लोहे का स्क्रैप लदा वाहन चुपचाप लेकर आरोपी रवाना हो गए। धोखाधड़ी के इस खेल में फाइनल वजन कराने के दौरान कंपनी के कर्मचारियों को शक हुआ। जब उन्होंने वाहन की जांच की, तो उसमें पत्थर और सीमेंट की बोरियां पाई गईं। इसके बाद प्रार्थी अनुज कुमार (उम्र 36 वर्ष, निवासी मेटल पार्क फेस-02, ममता सोलर कंपनी) ने थाना उरला में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस की कार्रवाई रिपोर्ट मिलते ही थाना उरला पुलिस ने अपराध क्रमांक 296/2025 दर्ज किया। आरोपियों पर धारा 319, 336, 338, 340(2), 61(2) भारतीय न्याय संहिता (BNS) के तहत प्रकरण कायम किया गया। आरोपी प्रसन्न कुमार पटेल से असली टाटा एस वाहन बरामद किया गया, जिसमें 3450 किलो लोहे का स्क्रैप लोड था। बरामद माल की कुल कीमत 5,67,300 आंकी गई है।

एनएच 30 मलगेर नदी पुल के पास छिपाकर रखें 455.110 किलो गांजा बरामद, सप्लाई की थी तैयारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। जिले के थाना केरलापाल क्षेत्रान्तर्गत एन.एच. 30 मलगेर नदी पुल के पास छिन्दझाड़ के नीचे झाडियों में छुपाकर रखे गये, 455.110 किलो मादक पदार्थ (गांजा) जिसका अनुमानित बाजार मूल्य पैंतालीस लाख इक्यावन हजार एक सौ रूपये को बरामद किया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सुकमा एसपी किरण चव्हाण के निर्देशानुसार व परमेश्वर तिलकवार पुलिस अनुविभागीय अधिकारी सुकमा के मार्गदर्शन में अवैध गांजा बिक्री/परिवहन की रोकथाम विशेष अभियान चलाया जा रहे है। इसी तारतम्य में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा अवैध मादक पदार्थ गांजा की बिक्री एवं परिवहन करने हेतु केरलापाल एन.एच. 30 मलगेर नदी पुल के पास छिन्दझाड़ के नीचे झाडियों में छुपाकर रखे जाने की मुखबीर

सूचना मिलने पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर सउनि ओमप्रकाश यादव थाना केरलापाल द्वारा टीम गठित कर मौके पर रेड कार्यवाही किया गया।

मौके पर 89 पैकेट अवैध मादक पदार्थ गांजा वजनी 455.110 कि.ग्रा. बरामद कर गवाहों के समक्ष जप्त कर सउनि ओमप्रकाष यादव, सउनि. मौके पर अज्ञात आरोपियों के विरूध्द धारा- 20 (ख) एन.डी.पी.एस. एक्ट की संपूर्ण कार्यवाही किया गया तथा घटना में संलिप्त अज्ञात आरोपियों की सघन पतासाजी किया जा रहा है।

उक्त कार्यवाही में थाना केरलापाल के बीरसिंह ठाकुर, प्र.आर. 183 सलवम शंकू, 477 सोयम नारैया, 1129 सुमित तिर्की, 75 ग्वाल सिंह उसेण्डी, 96 हिन्दु मौर्य, 268 राजेष सोरी, आर.क्र. 355 जैतराम यादव, 1075 माड़वी सुक्का, 770 मोहन यादव का विशेष योगदान रहा।

दुष्कर्म के दो आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। जशपुर में दो अलग-अलग मामलों में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने की घटना सामने आई है। पुलिस ने पीड़ित युवतियों की शिकायत पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों मामलों के आरोपियों से पूछताछ के बाद पुलिस ने न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पहला मामला चौकी दोकड़ा क्षेत्र का है। 18 वर्षीय पीड़िता ने अपने पिता के साथ थाने में शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता ने बताया कि वो नारायणपुर क्षेत्र में रहती है और रक्षा बंधन दिन अपनी बुआ के साथ चौकी दोकड़ा निवासी रिश्तेदार के घर गई थी। 9 अगस्त को प्रार्थिया सोई हुई थी, इसी बीच घर में रहने वाला शिवा चौहान आया और तुमसे प्यार करता हूं, कहते हुये जबरन दुष्कर्म करने लगा। आरोपी ने दो दिनों तक पीड़िता को अपने घर बंधक बनाकर रखा। तीसरे दिन पीड़िता ने किसी तरह से अपने परिजनों को फोन किया और घटना की जानकारी दी।

पीड़िता के परिजन मौके पर पहुंची और अपनी बेटी को आरोपी के चंगुल से छुड़ाकर इसकी शिकायत थाने में दर्ज कराये। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने शिवा चौहान को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। दूसरी घटना दुलदुला क्षेत्र की है। पीड़िता की शिकायत के मुताबिक, 2021 में वो स्कूल की पढ़ाई कर रही थी। इसी दौरान उसकी पहचान राम प्रसाद सिंह से हुई। दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। इसी दौरान आरोपी ने शादी का झांसा देकर पीड़िता से अलग-अलग जगहों पर दुष्कर्म किया। पीड़िता जब गर्भवती हुई और बच्चे को जन्म दिया तो आरोपी ने शादी करने से मना कर दिया। इस बात से दुखी पीड़िता ने इसकी शिकायत दुलदुला थाने में दर्ज कराई है।

करसा औरी नदी में नहाने गए तीन लोग पानी की तेज बहाव में बहे, दो की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले में भिलाई 3 के ग्राम औरी के नदी में नहाने गए तीन लोगों की डूबने की खबर सामने आई है। पाटन ब्लॉक के ग्राम करसा औरी नदी में गुरुवार की सुबह 11 बजे दो ग्रामीण भगवती ठाकुर पिता दीनदयाल ठाकुर 65 वर्ष निवासी ग्राम औरी थाना भिलाई 3 जिला दुर्ग और वहीं पास में ही दूसरे गांव के 50 साल का ग्रामीण नहाते समय नदी के तेज पानी के बहाव में बह गए है। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी गई है। जिसके बाद गोताखोर की मदद से दोनों लापता लोगों का तलाश जारी है।

जिला दुर्ग कंट्रोल रूम दुर्ग की सूचना के अनुसार थाना भिलाई 3 के ग्राम औरी के नदी में नहाने गए तीन लोगों की डूबने की सूचना मिली। प्राप्त जानकारी देते हुए बताया गया कि एक व्यक्ति को गुरुवार को सुरक्षित निकाल कर उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भेजा गया। ग्राम बड़े औरी के रहने वाले 56 वर्षीय भगवती ठाकुर नाला में नहाने गये थे। वहीं

पास में ही दूसरे गांव के 50 साल का ग्रामीण भी नहा रहा था। अचानक वह पानी की तेज धार में बहने लगा। जिसे बचाने के लिए भगवती ठाकुर नदी में कूद गए, ताकी उसे बचाया जा सके, लेकीन नदी के तेज बहाव में दोनों बहते चले गए। आसपास के लोग ढूंढने का प्रयास किए मगर दोनों कहीं नहीं दिखे। ग्रामीणों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। गोताखोर और पुलिस की टीम नाला में दोनों की तलाश में लगी हुई है।

जिला सेनानी अग्निशमन अधिकारी नागेंद्र कुमार सिंह दुर्ग एसडीआरएफ के अनुसार आज प्रात: 5 बजे से दो व्यक्तियों में एक व्यक्ति का बॉडी प्राप्त हुआ है, और तीसरे व्यक्ति का लगातार टीम द्वारा नदी में डीप डाइविंग कर तलाश जारी है। जिला सेनानी अग्निशमन अधिकारी नागेंद्र कुमार सिंह दुर्ग एसडीआरएफ की टीम रवाना होकर घटनास्थल पहुंचकर एसडीआरएफ टीम द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन कर बुजुर्ग व्यक्ति के शव को बाहर निकाल कर पुलिस के सुपुर्द किया गया।

किराएदार की बेटी के साथ मकान मालिक के बेटे ने किया दुष्कर्म, गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। 13 साल के लड़के ने ढाई साल के मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म किया है। पीड़िता की मां ने मकान मालिक ने बेटे को रंगे हाथों पकड़ा है। घटना के बाद मकान मालिक ने परिवार को घर से निकाल दिया है। शुक्रवार को पुलिस बाल अपचारी को हिरासत में लिया है। यह मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, परिवार सिविल लाइन थाना क्षेत्र में किराए के मकान में रहता है। बच्ची की मां प्राइवेट अस्पताल बिलिंग का काम में काम करती है। जबकि पिता भी प्राइवेट कंपनी में काम करता है। बुधवार को मासूम बच्चे को घर में अकेला पाकर मकान मालिक के बेटे ने मासूम से दरिंदगी की।

पीड़िता की मां के अनुसार, बुधवार को वह अपने काम से वापस घर लौटी। जब वह कमरे में गई, तो मकान मालिक के बेटे को दरिंदगी को अंजाम देते देखा। मां ने फैरन उसे पकड़ लिया और शोर मचाकर लोगों को इकट्ठा किया। इसके बाद पुलिस को मामले की सूचना दी गई। मौके पर

पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया। जांच में यह भी सामने आया कि बच्चे से इसके पहले भी दरिंदगी की वारदात को अंजाम दिया था। घटना के बाद मकान मालिक ने पीड़ित परिवार को धमकी देकर मकान खाली करने को कहा। ऐसे में परिवार को मजबूरन मकान छोड़ना पड़ा।

इस पूरे मामले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतिश ठाकुर ने बताया कि पास्को एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच पड़ताल की जा रही है। इधर, बाल कल्याण समिति के सदस्य मनोज ठाकुर ने बताया कि मामला समिति में पेश किया गया है। उन्होंने कहा कि अभिभावकों को बच्चों की सुरक्षा के लिए जागरूक किया जा रहा है। साथ ही उन्हें सलाह दी जाती है कि बच्चों को अकेला न छोड़ें और अपनी निगरानी में रखें।

सेक्स रैकेट गिरोह में शामिल एक युवती गिरफ्तार, करती थी ब्लैकमेल

बलौदाबाजार। सेक्स रैकेट और रेप केस में फंसाने के नाम पर ब्लैकमेलिंग करने वाली युवती को गिरफ्तार किया गया है। आरोपिया ने भयादोहन कर लाखों रूपये की वसूली की थी। युवती का नाम अनुरिताा बंजारे 23 वर्ष है। आरोपिया ने कबूल किया है कि अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर लोगों को सेक्स रैकेट, दुष्कर्म में फंसाने के नाम पर ब्लैकमेलिंग कर पैसों की मांग करती थी। बलौदाबाजार जिले के थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्र. 261/2024 धारा 384,389,212,201,34 भादवि के तहत प्रकरण पंजीबध्द कर जाँच में लिया गया। जानकारी के मुताबिक, अनुरिता बंजारे द्वारा 15 फरवरी 2024 से 20 फरवरी 2024 तक कई पीड़ितों को सेक्स स्कैंडल में फंसाने की धमकी देकर ब्लैकमेल किया था। आरोपिया युवती ने एक पीड़ित को ऐसे ही भयादोहन कर 2,75,000 की रकम वसूली की थी। पीड़ित की शिकायत पर 384, 389, 212, 201, 34 भादवि के तहत पंजीबद्ध कर जांच में लिया। एसपी भावना गुप्ता ने भी मामले को गंभीरता से लिया और जांच कर आरोपिया को पकड़ने के निर्देश दिये। थाना सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा जांच विवेचना कार्रवाई करते हुए आरोपिया अनुरिचा बंजारे को पकड़ा है। पूछताछ करने पर आरोपिया ने कबूल किया कि पूर्व में गिरफ्तार लोगों के साथ मिलकर उसने कई लोगों का भयादोहन किया था। मामले में 4 सितंबर को आरोपी महिला को गिरफ्तार कर न्यायालय के समस्त प्रस्तुत किया गया। गिरफ्तार आरोपी महिला का नाम अनुरिता बंजारे उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राम बकरकूदा थाना मस्तूरी जिला बिलासपुर है।

आवास दिलाने के नाम पर ठगी

बिलासपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना का नाम लेकर शहर की दो महिलाओं से लाखों रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी महिला ने खुद को नगर निगम से जुड़ा बताते हुए पीड़ित महिलाओं को योजना के तहत मकान दिलाने का झांसा दिया। इस दौरान उसने नगर निगम की फर्जी रसीद बनाकर उनसे कुल 3.40 लाख रुपये ऐंठ लिए। मामले का खुलासा तब हुआ जब पीड़ित महिलाएं नगर निगम पहुंचीं और दस्तावेजों की जांच कराई। ठगी की शिकायत मिलते ही नगर निगम अधिकारियों ने सरकंडा थाना पुलिस को सूचना दी और आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई।

जानकारी के मुताबिक, आरोपी महिला सपना सराफ ने पीएम आवास योजना का लाभ दिलाने का लालच देकर दो महिलाओं से संपर्क साधा। उसने भरोसा दिलाया कि पैसे देने पर नगर निगम से मंजूरी मिल जाएगी और योजना का लाभ तुरंत मिल जाएगा। इस दौरान महिलाओं को विश्वास दिलाने के लिए उसने नगर निगम की सील और हस्ताक्षर वाली फर्जी रसीद भी थमा दी। महिलाओं ने योजना का लाभ मिलने की उम्मीद में रकम चुका दी। रकम लेने के बाद आरोपी सपना सराफ लगातार उन्हें टालती रही। कई बार नगर निगम जाने के बावजूद जब कोई दस्तावेज या आवास स्वीकृति नहीं मिली, तब दोनों महिलाओं को ठगी की आशंका हुई। उन्होंने सीधे नगर निगम कार्यालय जाकर अपने दस्तावेज की जांच कराई। यहां खुलासा हुआ कि उनके नाम से किसी भी प्रकार का आवास स्वीकृत नहीं हुआ है और जो रसीद उन्हें दी गई है, वह पूरी तरह फर्जी है। नगर निगम ने दर्ज कराई FIR मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर निगम के अधिकारियों ने तुरंत सरकंडा थाना पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का संकल्प- समृद्ध आत्मनिर्भर और विकसित छत्तीसगढ़

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायगढ़ में चक्रधर समारोह के समापन कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि महाराजा चक्रधर सिंह ने संगीत को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि रायगढ़ में कला और संस्कृति के प्रति अलग ही प्रेम है। इस प्रेम को स्थायी बनाए रखने की दिशा में यहाँ कला और संगीत महाविद्यालय खोलने की घोषणा विगत वर्ष की गई थी। उन्होंने बताया कि इसके लिए बजट का प्रावधान कर दिया गया है और महाविद्यालय हेतु स्थान का चयन भी हो चुका है। कुछ माह के पश्चात यह महाविद्यालय अस्तित्व में आ जाएगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारी सरकार ने विगत 20 माह में अनेक योजनाएँ बनाई हैं और उन्हें जन-जन तक पहुँचाकर लोगों को लाभान्वित किया है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो गारंटी दी थी, उसे हमारी सरकार ने अल्प समय में ही पूरा किया है और 2047 तक के लिए छत्तीसगढ़ का विज़न डॉक्यूमेंट तैयार किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की माताओं और बहनों को महतारी वंदन योजना से लाभान्वित करते हुए हर माह उनके खाते में एक एक हजार रुपये की राशि डाली जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि हमारी सरकार ने नई उद्योग नीति लागू कर राज्य में लाखों-करोड़ों रुपये का निवेश आकर्षित किया है और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के बेटे-बेटियों को रोजगार देने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने राज्य में संस्कृति और आस्था की पहचान राजिम कुंभ को भी भव्य रूप देने की बात कही। मुख्यमंत्री साय सहित अन्य अतिथियों ने चक्रधर समारोह के समापन समारोह में आज के प्रमुख आकर्षण, प्रख्यात गायक पद्मश्री कैलाश खेर की प्रस्तुतियों का आम दर्शकों के साथ आनंद लिया। मुख्यमंत्री श्री साय और अन्य अतिथियों ने मंच से डाक विभाग द्वारा महाराजा चक्रधर सिंह पर जारी विशेष आवरण का विमोचन किया। उन्होंने सुग्घर छत्तीसगढ़ की परिकल्पना पर आधारित रायगढ़ नगर पालिक निगम के शुभंकर अप्पू राजा को भी लॉन्च किया। मंच पर कथक प्रस्तुत करने वाली विख्यात कलाकार पद्मश्री डॉ. नलिनी, डॉ. कमलिनी अस्ताना एवं उनकी टीम को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया, बिलासपुर संभाग आयुक्त सुनील जैन, आईजी संजीव शुक्ला, सीसीएफ प्रभात मिश्रा, कलेक्टर एवं एसपी सहित अन्य जनप्रतिनिधि तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ की पहचान है कला और संस्कृति : अरुण साव

समारोह में विशिष्ट अतिथि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान प्रारंभ से ही कला और संस्कृति की रही है। महाराजा चक्रधर सिंह ने यहाँ की पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया। उन्होंने मंच से अपनी कला का प्रदर्शन करने वाले सभी कलाकारों को बधाई और शुभकामनाएँ दीं।

कला और संस्कृति की नगरी है रायगढ़ : ओपी चौधरी

चक्रधर समारोह के समापन अवसर पर उपस्थित हजारों की भीड़ को कला-प्रेमियों की पहचान बताते हुए स्थानीय विधायक एवं वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी ने कहा कि रायगढ़ कला और संस्कृति की नगरी है। राजा चक्रधर सिंह ने कथक नृत्य और अन्य सांस्कृतिक विरासतों को आगे बढ़ाने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। हम सभी रायगढ़ के विकास को लेकर निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने रायगढ़ में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित प्रशिक्षण केंद्र के शुभारंभ और उससे होने वाली जॉब गारंटी का भी उल्लेख किया। साथ ही नालंदा परिसर की स्थापना के साथ आईआईटी, नीट, लॉ यूनिवर्सिटी सहित प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश हेतु अवसर उपलब्ध कराने की बात कही। वित्त मंत्री चौधरी ने छत्तीसगढ़ के विकास में अनेक प्रोजेक्ट संचालित होने की जानकारी दी। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि यह समारोह महाराजा चक्रधर सिंह के योगदान को समर्पित है। उन्होंने संगीत की खोती हुई विरासत को सहेजने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए कार्य किया और संगीत के गौरव को पुनर्स्थापित किया। उन्होंने सभी कलाकारों का आभार भी जताया।

किसान, महिलाओं और युवाओं की प्रगति ही राज्य का भविष्यः मुख्यमंत्री

- रजत जयंती वर्ष में 4000 पंचायतों में शुरू होंगे अटल डिजिटल सेवा केंद्र
- रेलवे ओवरब्रिज सहित 66.84 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन
- श्रद्धेय अटल जी की प्रतिमा का अनावरण और अटल परिसर का लोकार्पण
- खरसिया में 20 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायगढ़ जिले के खरसिया में आयोजित कार्यक्रम में रेलवे ओवरब्रिज सहित 66.84 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने 20 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की घोषणा भी की। इनमें खरसिया के कबीर चौक से डभरा रोड तक बाईपास सड़क निर्माण के लिए 10 करोड़, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और स्विमिंग पूल सहित अन्य सुविधाओं की मरम्मत के लिए 2 करोड़ तथा खरसिया नगर पालिका क्षेत्र में अन्य विकास कार्यों के लिए 8 करोड़ रुपये की घोषणा शामिल है। मुख्यमंत्री साय ने खरसिया में पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण किया तथा अटल परिसर का लोकार्पण भी किया। साथ ही उन्होंने रेलवे अंडरब्रिज निर्माण के लिए तकनीकी सर्वे कराए जाने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रायगढ़ से उनका 20 वर्षों का पारिवारिक संबंध रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नगरीय निकायों में मिली जीत अटल विश्वास पत्र के कारण हुई है। उन्होंने कहा कि नगरीय क्षेत्र के विकास के लिए सात से आठ हजार करोड़ रुपये के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। अटल विश्वास पत्र में की गई एक-एक घोषणा को पूरा किया जा रहा है। मोदी जी की अधिकांश गारंटियाँ पूरी हो चुकी हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश की 70 लाख महिलाओं को महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रत्येक माह 1000 रुपये दिए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 18 लाख आवास स्वीकृत किए गए हैं। किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है। तेंदूपत्ता संग्राहकों से खरीदी मूल्य 4000 से बढ़ाकर 5500 रुपये कर दिया गया है। 5.62 लाख से अधिक भूमिहीन कृषि मज़दूरों को प्रति वर्ष 10-10 हजार रुपये की सहायता दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायत स्तर पर भी अटल डिजिटल सेवा केंद्रों के माध्यम से बैंकिंग और शासकीय सेवाएँ गांव-गांव तक पहुँच रही हैं। 1460 पंचायतों में यह सुविधा प्रारंभ हो चुकी है, जहाँ न केवल पैसों का लेन-देन संभव है, बल्कि आय, भूमि, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र जैसी सेवाएँ भी अब गांव में ही उपलब्ध हो रही हैं। उन्होंने घोषणा की कि रजत जयंती वर्ष के दौरान 4000 पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केंद्र खोले जाएंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पीएससी घोटाले की सीबीआई जाँच चल रही है। भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन हमारा उद्देश्य है, सुशासन हमारा संकल्प है। भ्रष्टाचार के सभी रास्ते एक-एक कर बंद किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण की पहल उन्होंने सांसद रहते हुए की थी। सभी औपचारिकताएँ पूर्ण होने के बाद आज इसका भूमिपूजन संभव हुआ है। आने वाले दो से तीन वर्षों में इसका निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि प्रदेश में विकास कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता के साथ काम किया जा रहा है। रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण खरसिया शहर के लिए महत्वपूर्ण आवश्यकता थी। 64.94 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस रेलवे ओवरब्रिज का भूमिपूजन हमारी इसी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके निर्माण से क्रॉसिंग पर ट्रेनों के गुजरने से लोगों को होने वाली आवाजाही की समस्या दूर होगी और समय की भी बचत होगी। वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में पिछले 20 महीनों में छत्तीसगढ़ तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर हुआ है। उन्होंने कहा कि 13 लाख किसानों को 3716 करोड़ रुपये दो वर्षों के बोनस के रूप में दिए गए हैं। छत्तीसगढ़ एकमात्र राज्य है जो 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी कर रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित 18 लाख परिवारों को मुख्यमंत्री ने कैबिनेट की पहली बैठक में मंजूरी दी। उन्होंने कहा कि रेडी-टू-ईट का जिम्मा पुनः महिला स्व-सहायता समूहों को सौंपा गया है और इसकी शुरुआत रायगढ़ जिले से हो चुकी है, जिसे शीघ्र ही पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अटल परिसर का लोकार्पण राज्य निर्माता पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि है। वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में भगवान श्रीराम का मंदिर बनवाया, जो 500 वर्षों के बाद संभव हो सका। छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं के लिए श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना प्रारंभ की गई है। साथ ही प्रधानमंत्री ने आईटी और जीएसटी में सुधार कर देशवासियों की क्रयशक्ति को बढ़ाया है। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह, नगरपालिका परिषद खरसिया के अध्यक्ष कमल गर्ग, उपाध्यक्ष अवधनारायण (बंटी) सोनी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

सरल और सहज मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का दिखा अपनत्व, नन्हे इवान को गोद में लेकर किया दुलार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायगढ़ के खरसिया पहुँचे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सहजता, सरलता और अपनेपन ने आज सभी को गहरे तक प्रभावित किया। खरसिया हेलीपैड पर जब उनकी नज़र ढाई साल के इवान पर पड़ी तो वे बच्चे को दुलारे बिना नहीं रह सके। आत्मीय मुस्कान के साथ मुख्यमंत्री श्री साय ने नन्हे इवान को अपनी गोद में उठाया और बड़े स्नेह से दुलार किया। नर्सरी में पढ़ने वाला इवान अपने पिता के साथ बड़े उत्साह से हेलीपैड पर मुख्यमंत्री को देखने आया था।

बच्चे को अचानक मुख्यमंत्री श्री साय की गोद में देखकर वहां मौजूद सभी लोग भावुक और आश्चर्यचकित रह गए। यह दृश्य मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सहजता, आत्मीयता और संवेदनशील व्यवहार का सजीव उदाहरण बन गया। इसे देखकर लोगों के मन में यह भाव सहज ही उमड़ पड़ा कि मुख्यमंत्री के दिलो-दिमाग में केवल प्रदेश की प्रगति और जनकल्याण का ही संकल्प नहीं है, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के प्रति उनका गहरा अनुराग भी है।

इवान के पिता अमन गर्ग ने कहा कि अपने बेटे को मुख्यमंत्री की गोद में देखना उनके परिवार के लिए भावुक, अनमोल और अविस्मरणीय क्षण है। उन्होंने कहा कि यह स्मृति जीवन भर उनके साथ रहेगी। श्री गर्ग ने बताया कि इवान बड़े उत्साह से मुख्यमंत्री और हेलीकॉप्टर को देखने उनके साथ हेलीपैड आया था। मुख्यमंत्री की गोद में जाते ही उसकी खुशी दोगुनी हो गई। आज एक बार फिर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का अपनत्व और बच्चों के प्रति उनका अनुराग सबके सामने आया। उनके इस आत्मीय व्यवहार ने न केवल अमन गर्ग के परिवार का दिल जीत लिया, बल्कि वहां मौजूद सभी लोगों के हृदय में भी अमिट छाप छोड़ दी।

रायगढ़ मेरा परिवार, मैं अपने परिवार से मिलने आया हूँ : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायगढ़ जिले के ग्राम बायंग (कछार) में 38 करोड़ रुपये की लागत से मांड नदी बायंग एनीकट कम काजवे निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इससे लाभान्वित गांवों में भू-जल संवर्द्धन होगा तथा आवागमन की सुविधा भी बढ़ेगी। एनीकट कम काजवे निर्माण से 100 हेक्टेयर क्षेत्र में सोलर संयंत्र और पाइपलाइन के जरिए सिंचाई सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने लोकार्पण कार्यक्रम में ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि रायगढ़ क्षेत्र में जब भी मैं आता हूँ तो ऐसा लगता है जैसे अपने ही परिवार के बीच आया हूँ। आप सभी ने 20 वर्षों तक आशीर्वाद देकर मुझे सांसद बनाकर दिल्ली भेजा, अब मुख्यमंत्री के रूप में मैं अपने परिवार से मिलने आप सबके बीच आया हूँ। मुख्यमंत्री श्री साय ने राज्य सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि विगत 20 महीनों में 'मोदी की गारंटी' के तहत अनेक जनकल्याणकारी कदम उठाए गए हैं। इनमें धान की खरीदी 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से, 70 लाख महिलाओं को महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह 1000 रुपये की सहायता, तेंदूपत्ता संग्राहकों को पुनः चरण पादुका वितरण, किसानों को धान बोनस तथा 5 लाख 62 हजार भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की आर्थिक मदद जैसी योजनाएँ शामिल हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री ने कहा था कि छत्तीसगढ़ के युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। आज प्रदेश के युवा देख रहे हैं कि जिन्होंने पीएससी परीक्षा में घोटालेबाजी की, वे जेल के अंदर हैं और कुछ जाने की तैयारी में हैं। श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार में श्रद्धालुओं के लिए रामलला दर्शन योजना और बुजुर्गों के लिए तीर्थ स्थलों की यात्रा की योजना प्रारंभ की गई है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने एनीकट भूमिपूजन के अवसर को बायंग (कछार) गांव के लिए ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि हमने जो वादा किया था, उसे पूरा किया। अब गांव-गांव में प्रधानमंत्री आवास बन रहे हैं, महतारी वंदन योजना का पैसा समय पर हर महीने मिल रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन तथा डबल इंजन की सरकार में विकास के कार्य तेजी से हो रहे हैं। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि रायगढ़ क्षेत्र का संसद में पिछले 20 वर्षों से प्रतिनिधित्व करने वाले हमारे मुख्यमंत्री प्रत्येक गांव के लिए परिवार के सदस्य जैसे हैं। रायगढ़ से सांसद रहते हुए शायद ही ऐसा कोई गांव बचा हो जहाँ मुख्यमंत्री श्री साय न गए हों। छत्तीसगढ़ में हमारी सरकार बने मात्र 20 महीने हुए हैं और इस अवधि में अनेक कार्य किए गए हैं।

शिक्षक अपने विद्यार्थियों के लिए रोल मॉडल होता हैः राज्यपाल रमेन डेका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज शिक्षक दिवस के अवसर पर राजभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम् में आयोजित गरिमामय समारोह में वर्ष 2024 के उत्कृष्ट शिक्षकों को राज्य स्तरीय सम्मान प्रदान किया। समारोह में राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने वर्ष 2024 के लिए सभी सम्मानित शिक्षकों को बधाई और शुभकामनाएं दी। प्रदेश के 64 शिक्षकों को राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस मौके पर स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने राज्य शिक्षक सम्मान वर्ष 2025 के लिए चयनित 64 शिक्षकों के नामों की भी घोषणा की।

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि राज्यपाल रमेन डेका ने सर्वप्रथम भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति, महान दार्शनिक और प्रख्यात शिक्षाविद् डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी को उनकी जयंती पर नमन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि शिक्षा मानव के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम है। एक शिक्षक अपने विद्यार्थियों के लिए रोल मॉडल होता है। बेहतर शिक्षक एक जिम्मेदार नागरिक तैयार करने में महती भूमिका निभाते हैं। उन्होंने

शिक्षा के बिना जीवन अधूराः मुख्यमंत्री साय

कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के जीवन के प्रेरणास्रोत होते है। उनके विकास में शिक्षकों की बहुत बड़ी भूमिका है। आज का जीवन सरल नहीं है। गिरकर खड़े होना और जीवन की चुनौतियों का सामना कैसे किया जाए यह विद्यार्थियों को सीखाना चाहिए।

श्री डेका ने कहा कि शिक्षक ऐसा पढ़ाएं जिससे बच्चे स्कूलों की ओर आकर्षित हो। स्कूल भवन नहीं बल्कि उसके अंदर क्या पढ़ा रहे है ये महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्राचीन भारत की गुरूकुल परंपरा को श्रेष्ठ बताया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक गेम चेन्जर है। इस नीति के अनुरूप बच्चों को शिक्षा मिले यह शिक्षकों की जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की गई है, जिसका मूल उद्देश्य यही है कि शिक्षा अधिक व्यवहारिक, कौशल आधारित और सर्वांगीण बनाया जाए। इस नीति में विशेष बल मातृभाषा में शिक्षा पर दिया गया है। बालक को उसकी मातृभाषा में शिक्षा देने से वह अधिक रूचि तथा सहजता के साथ शिक्षा ग्रहण करता है।

श्री डेका ने कहा कि नवाचारी शिक्षा अपने आप में एक मिसाल है। यह गौरव का विषय है कि हमारे शिक्षक साथी अध्यापन के लिए नए-नए उपयोगी शिक्षण सहायक सामग्री का उपयोग कर रहें हैं, जिससे बच्चों को सिखाना, रुचिकर एवं सहज हो गया है। बदलते परिवेश के अनुसार बच्चों को शिक्षा दिया जाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। इस हेतु सार्थक पहल एवं प्रयास की आवश्यकता है। पाठ्यक्रमों में भी उचित पाठों का समावेश किया जाना समय की मांग है।

समारोह की अध्यक्षता कर रहे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि शिक्षक ही सच्चे राष्ट्र निर्माता होते हैं। वे देश को ऐसे राष्ट्रभक्त नागरिक देते हैं, जो आगे चलकर समाज और राष्ट्र की उन्नति में योगदान देते हैं। जिस प्रकार दीपक स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश देता है, उसी प्रकार शिक्षक भी अनेक कठिनाइयों के बावजूद ज्ञान का उजाला फैलाते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे कर रहा है और इस रजत जयंती वर्ष में प्रदेश ने हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। शिक्षा विकास का मूलमंत्र है और इसके बिना जीवन अधूरा है। पिछले वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में भी व्यापक विस्तार हुआ है। आज प्रदेश में 20 से अधिक विश्वविद्यालय, 15 से ज्यादा मेडिकल कॉलेज और राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्थान जैसे आईआईटी, आईआईएम, एम्स तथा लॉ विश्वविद्यालय स्थापित हैं।

श्री साय ने कहा कि सरकार का संकल्प है कि हर बच्चे को आसानी से शिक्षा उपलब्ध हो। इसी दृष्टि से प्रत्येक 1 किलोमीटर पर प्राथमिक विद्यालय, 3 से 4 किलोमीटर पर माध्यमिक विद्यालय, 6 से 7 किलोमीटर पर हाई स्कूल, 8 से 10 किलोमीटर पर हायर सेकेंडरी विद्यालय और प्रत्येक विकासखंड में महाविद्यालय खोले जा रहे हैं। उन्होंने शिक्षा विभाग के नवाचारी पहल पर भी अपने विचार साझा किए।

समारोह में उपस्थित विशिष्ट अतिथि स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू होने से प्रदेश में शिक्षा का स्तर आने वाले समय में और बेहतर होगा। उन्होंने आगामी वर्ष के लिए राज्य शिक्षक सम्मान के लिए चयनित शिक्षकों के नामों की घोषणा की।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950